हम खबर बनाते नहीं, खबर बताते हैं...

बस्तर इम्पेक्ट

बस्तर का सबसे तेज़ बढ़ता अखबार

वर्ष-18, अंक-311, दंतेवाड़ा, बुधवार, 29 जुलाई 2026, पृष्ठ-08, मूल्य- 1.50 रुपए | रायपुर एवं दंतेवाड़ा से एक साथ प्रकाशित | email. bastarimpact@gmail.com, RNI NO. CHHHIN/2009/32467, प्रधान संपादक - सुरेश महापात्र

गोल्ड मेडल जीतने वाली शर्मीला धनकड़ (दाएं) और ब्रॉन्ज मेडलिस्ट शिल्पा शाइला (बाएं)

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में दूसरा गोल्ड

शर्मिला धनखड़ ने शॉट पुट में मेडल जीता, हाई जंप में सिल्वर जीतने वाले सर्वेश कुशारे पहले भारतीय

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

भारत की शर्मिला धनकड़ ने सोमवार को कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के पैरा शॉट पुट F57 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 9.81 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो कर यह उपलब्धि हासिल की।

इसी इवेंट में भारत की शिल्पा के. शायला ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। यह मौजूदा खेलों में भारत का दूसरा गोल्ड मेडल है। शर्मिला से पहले रविवार को वेटलिफ्टिंग में मीरा बाई चानू ने 48 KG में गोल्ड जीता था।

F57 कैटेगरी में उन पैरा एथलीट्स को शामिल किया जाता है, जिनके निचले अंग प्रभावित होते हैं या जिनकी मांसपेशियों की ताकत कम होती है। भारत के मेडल टैली में कुल 10 मेडल हो गए हैं और टीम आठवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 26 गोल्ड सहित 59 मेडल के साथ पहले स्थान पर है।

अन्य इवेंट्स में हाई जंप में सर्वेश कुशारे और वेटलिफ्टिंग के 79 किलोग्राम वर्ग में अजय बाबू ने सिल्वर मेडल जीता। वहीं, बिंदियारानी देवी ने 58 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया, जबकि ज्ञानेश्वरी यादव ने 53 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीता।

विजय शर्मा ने की इंडियन-आर्मी में बस्तर रेजिमेंट की मांग

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भेजा जवाब, कहा-पत्र मिला है, जांच जारी है

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की ओर से भारतीय सेना में 'बस्तर रेजिमेंट' बनाने की मांग पर रक्षा मंत्रालय ने जवाब दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पत्र भेजकर बताया कि प्रस्ताव मिल गया है और इस पर जरूरी प्रक्रिया चल रही है।

विजय शर्मा ने 26 जून 2026 को रक्षा मंत्री को पत्र लिखकर भारतीय सेना में बस्तर रेजिमेंट बनाने की मांग की थी। उन्होंने पत्र में बस्तर के आदिवासी युवाओं और जवानों की

बहादुरी और नक्सल विरोधी अभियान में उनके योगदान का जिक्र किया था।

बस्तर के जवानों की बहादुरी का किया जिक्र

विजय शर्मा ने कहा था कि बस्तर के जवान लंबे समय से कठिन इलाकों में सुरक्षा बलों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उनका कहना था कि बस्तर रेजिमेंट बनने से देश की सुरक्षा और मजबूत होगी। साथ ही इलाके के विकास और शांति को भी बढ़ावा मिलेगा।

युवाओं को सेना में मिलेगा ज्यादा मौका

उन्होंने कहा कि बस्तर रेजिमेंट बनने से यहां के युवाओं को सेना में भर्ती होने के ज्यादा मौके मिलेंगे। इससे युवाओं में 3देश सेवा, अनुशासन और गर्व की भावना भी बढ़ेगी। विजय शर्मा ने दोनों पत्र अपने एक्स अकाउंट पर भी शेयर किए थे।

बिजली गिरने 4 लोगों की मौत, 5 घायल

खेत में काम करते समय चपेट में आया किसान, उफनते नाले में बहने से बचा युवक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है। पहला हादसा मनेंद्रगढ़ जिले के खड़गवां ब्लॉक के शिवपुर का है, जहां 3 ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां में इलाज जारी है। वहीं, सूरजपुर जिले के नमदगीरी गांव में किसान विनय देवांगन (35) खेत में काम कर रहे थे, इसी दौरान वे बिजली की चपेट में आ गए। छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश से कई नदी-नाले उफान पर हैं। गरियाबंद जिले के छिन्दोला-आमामोरा मार्ग पर बाढ़ जैसे हालात हैं। खोलापारा नाले के ऊपर से पानी बह रहा है। इस दौरान एक बाइक सवार ने नाले को पार करने की कोशिश की तो वह गिर गया। वहां मौजूद अन्य लोगों ने उसे बहने से बचाया।

हिमाचल के चंबा में अचानक बाढ़ से पत्थरों का सैलाब, मलबा घरों में घुसा

चंडीगढ़ मे करंट से युवती की मौत, चारधाम यात्रा स्थगित, दिल्ली में बारिश

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में भारी बारिश आफत बन गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में सोमवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद सरोल मोहल्ले समेत कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। पानी के साथ आए पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों और दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड हुई। रुद्रप्रयाग के कुंड-काकड़ा के बीच केदारनाथ नेशनल हाईवे मलबा आने से बंद हो गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी बंद है, जिसके चलते चारधाम यात्रा दो दिन रोक दी गई है। दिल्ली में मंगलवार सुबह जोरदार बारिश हुई। इससे जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया।

चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी (PU) में मंगलवार सुबह PhD स्कॉलर युवती की करंट लगने से मौत हो गई। वह गर्ल्स हॉस्टल से अपने विभाग में पढ़ाई के लिए जा रही थी।

बंगाल से उत्तराखंड तक बादल छाए, एक हफ्ते बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग की तरफ से जारी नई सैटेलाइट इमेज में पश्चिम बंगाल से उत्तराखंड तक 1500km एरिया में बादल छाए हुए हैं। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना डीप डिप्रेशन है। डीप डिप्रेशन समुद्र के ऊपर बनने वाला कम दबाव का एक स्ट्रॉन्ग मौसम सिस्टम होता है। इसमें हवा की रफ्तार सामान्य डिप्रेशन से ज्यादा होती है। इससे भारी बारिश होती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून ट्रफ के असर से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार में भारी बारिश हो सकती है।

Meta ने पहले मोदी का वीडियो हटाया, अब रीस्टोर किया

कहा- तकनीकी गड़बड़ी से हटा, PM ने 23 जुलाई को छात्रों को मैसेज दिया था

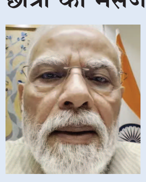

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक से हटाया गया वीडियो Meta ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से वीडियो गलती से हट गया था। इससे पहले कुछ समय के लिए फेसबुक पर यह वीडियो दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके बाद इस पर सवाल उठे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह वीडियो 23 जुलाई को जारी किया था। इसमें उन्होंने जेन-जी और छात्रों को संबोधित करते हुए परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था।

50 हजार रिश्वत लेते बाबू गिरफ्तार

सांप काटने से हुई पत्नी की मौत, मुआवजा राशि दिलाने मांगी थी घूस

एजेंसी न्यूज. रायगढ़

रायगढ़ में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्ट्रेट कार्यालय रायगढ़ के राहत और आपदा प्रबंधन शाखा के बाबू को अरेस्ट किया गया है। वह सर्पदंश से हुई मृत्यु के एवज में मिलने वाली मुआवजा राशि को बैंक खाते में भुगतान कराने 50 हजार मांग रहा था। आरोपी को हस्ताक्षर वाले चेक के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया है।

जानकारी के मुताबिक पुसौर तहसील के ग्राम बुलाकी के रहने वाले विजय सिदार ने एसीबी बिलासपुर में क्लर्क की शिकायत की थी। विजय सिदार ने बताया कि उसकी पत्नी रामकुमारी का देहांत सर्पदंश से साल 2023 में हो गया था।

बैंक खाते में पैसा डालने 50 हजार मांग रहा था

शासन की योजना के तहत मिलने वाली मुआवजा राशि लेने के लिए उसके द्वारा राजस्व विभाग में आवेदन किया गया था।

CJP प्रोटेस्ट में खाना खिलाने वाले जुनैद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, बोले- पुलिस ने 6 घंटे हिरासत में रखा, परिवार को परेशान कर रही

नई दिल्ली। CJP के जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों को खाना खिलाने वाले वालंटियर जुनैद मलिक सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें रास्ते से उठाकर करीब 6 घंटे तक हिरासत में रखा, धमकाया और बाद में देहरादून रोड़ पर सुनसान जगह पर छोड़ दिया। जुनैद का कहना है कि पुलिस ने उनके परिवार को भी बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए परेशान किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से परिवार के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाने और पूरे मामले की कानून के मुताबिक जांच कराने की मांग की है।

जुनैद को पुलिस ने 24 जुलाई को रास्ते से उठाया- याचिका के मुताबिक, 24 जुलाई की आधी रात को जुनैद मलिक एंटी-रेबीज का इंजेक्शन लगवाकर आरएमएल अस्पताल से लौट रहे थे। तभी पुलिस ने उसे उठा लिया और उनका मोबाइल फोन जबरन लेकर अनलॉक कराया गया और उसकी जांच की गई। उनसे पूछा गया कि उन्हें फंडिंग कौन करता है और खाने की व्यवस्था के लिए पैसा कहां से आता है। याचिका में दावा किया गया है कि इसके बाद पुलिस उन्हें देहरादून रोड पर एक सुनसान जगह छोड़कर चली गई। वहां से जुनैद कैब लेकर दिल्ली वापस आए।

सुप्रीम कोर्ट बोला- नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करें

छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था, जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई हो

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक

कार्रवाई होगी। साथ ही 18 साल से कम उम्र के उन प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि पहली नजर में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की जरूरत दिखती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस कार्रवाई को लेकर पहले दिए गए दिशा-निर्देशों को अब अपडेट करने का समय आ गया है। 2018 में बने नियम 2026 में कितने कारगर हैं, इसकी भी समीक्षा होनी चाहिए, ताकि प्रदर्शन शुरू होते ही पुलिस के तय प्रोटोकॉल तुरंत लागू हो सकें। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है।

जापान में 6.8 तीव्रता का भूकंप, शॉपिंग मॉल गिरा

50 से ज्यादा लोग फंसे, 1.5 लाख लोगों को हटाया गया

राजधानी टोक्यो से 900km दूर 10km की गहराई में केंद्र.

कुमामोटो। जापान के दक्षिणी कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 6.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। तेज झटकों के बाद काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई, जिससे 50 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक कई लोग घायल हुए हैं।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (JMA) के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4.27 बजे आया।

CJP बोली- सभी प्रदर्शनकारियों की FIR वापस होंगी

रात 1 बजे वीडियो जारी कर बताया-सरकार से बात हुई, हर प्रोटेस्टर सुरक्षित रहेगा

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने बताया कि सभी प्रदर्शनकारियों की FIR वापस होंगी। CJP प्रवक्ता सौरव दास और रत्ना ने सोमवार रात एक बजे वीडियो जारी कर यह जानकारी दी। सौरव ने बताया कि सरकार के

प्रतिनिधि (दिल्ली पुलिस के अफसर) मिलने आए थे। हमने उन्हें बताया कि आशंका है कि सरकार ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं होंगे। उन्होंने बिहार सरकार के गृह विभाग की प्रेस रिलीज दिखाई। इसमें लिखा है कि सभी प्रोटेस्टर्स की FIR वापस ली जाएंगी और भविष्य में भी कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा।

हमारी आशंका थी कि प्रदर्शनकारियों को किसी राज्य में नुकसान पहुंचाया जा सकता है। सरकार ने हमें गारंटी दी है कि ऐसा न हो, इसलिए इसका एक नोटिफिकेशन निकाला जाएगा।

पत्नी ने सब्जी नहीं बनाई, तो पति ने किया मर्डर

जशपुर की घटना, आरोपी बोला- पहले शराब नहीं मिली, फिर पत्नी ने दिमाग खराब किया

जशपुर। जशपुर जिले में पत्नी ने सब्जी नहीं बनाई, तो पति ने पत्नी को इतना पीटा कि पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस को आरोपी ने बताया कि एक तो शराब नहीं मिली। इससे पहले ही दिमाग खराब था। फिर पत्नी को सब्जी बनाने कहा तो उसने सब्जी नहीं बनाई, इसलिए उसे मार डाला। यह घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम घुटरी में हुई। पुलिस के अनुसार, 26 जुलाई 2024 को ग्रामीणों ने सूचना दी कि ग्राम घुटरी निवासी दुबेश्वरी बाई (46) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

बॉटम न्यूज...

ADR रिपोर्ट : पंजाब CM की संपत्ति सैनी-सुक्खू से भी कम

सालाना इनकम इनसे ज्यादा, कर्नाटक मुख्यमंत्री सबसे अमीर, उमर अब्दुल्ला सबसे कम प्रॉपर्टी वाले CM

एजेंसी न्यूज. चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान देश के सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्रियों की सूची में 5वें स्थान पर हैं। उनकी कुल संपत्ति 1.97 करोड़ रुपए है। पड़ोसी राज्य हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की संपत्ति 5.80 करोड़ रुपए है, जो मान से करीब 3 गुना अधिक है।

वहीं, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू 7.81 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ इन दोनों

राज्य	मुख्यमंत्री	प्रॉपर्टी
पंजाब	भगवंत मान	1.97 करोड़
हरियाणा	नायब सैनी	5.80 करोड़
हिमाचल	सुखविंदर सुक्खू	7.81 करोड़

से आगे हैं। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) और नेशनल इलेक्शन वॉच की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। यह रिपोर्ट मुख्यमंत्रियों की ओर से चुनावी शपथ पत्रों में दी गई जानकारी पर आधारित है। इसमें देश के 31 मुख्यमंत्रियों का विश्लेषण किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार देश में सबसे अमीर ज्यादा संपत्ति वाले सीएम है। उनकी कुल संपत्ति1,413 करोड़ करोड़ रुपए है। जबकि, सबसे कम संपत्ति जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला की है। उन्होंने 55 लाख रुपए की संपत्ति घोषित की है।

वार्षिक आय में मान दोनों पड़ोसी राज्यों के CM से आगे

ADR रिपोर्ट के अनुसार, भगवंत मान अपने पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कम संपत्ति रखते हैं, लेकिन उनकी सालाना कमाई दोनों मुख्यमंत्रियों से ज्यादा है। उन्होंने अपने पेशे में केवल राजनीति का उल्लेख किया है। इससे उनकी वार्षिक आय 18.34 लाख रुपए है। जबकि, हिमाचल के CM सुक्खू ने खुद को पेंशनभोगी और ठेकेदार बताया है। उनकी वार्षिक आय 17.22 लाख रुपए है। वहीं, हरियाणा के CM नायब सैनी ने विधायक, मुख्यमंत्री और स्टोन क्रशर मालिक के रूप में 13.45 लाख रुपए की वार्षिक आय घोषित की है।

असम के शिवसागर में बाढ़ का पानी घरों के अंदर घुस गया। बाहर जाने के लिए लोग नाव का इस्तेमाल कर रहे हैं।

ब्रेकिंग न्यूज...

अमेरिका में फूड फेस्टिवल में फायरिंग, 3 मौतें

एजेंसी न्यूज. सिएटल

अमेरिका के सिएटल में एक फूड फेस्टिवल के दौरान फायरिंग में 3 लोगों की मौत हो गई। बच्चे समेत 5 लोग घायल हो गए। घटना सिएटल के स्पेस नीडल के पास आयोजित 'बाइट ऑफ सिएटल' फेस्टिवल के आखिरी घंटों में हुई। सिएटल फायर डिपार्टमेंट की प्रवक्ता ग्रेस नुनेज ने इसकी जानकारी दी। फायरिंग रविवार शाम करीब 6 बजे हुई। पुलिस ने इलाके की जांच शुरू कर दी और लोगों से शहर के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित घटनास्थल के पास नहीं जाने की अपील की। इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। फेस्टिवल में पहुंचे एक शख्स ने बताया कि हम एक फूड स्टॉल से खाने का सामान लेकर लौट रहे थे, उसी दौरान गोलीबारी हुई।

घायलों में एक महिला की हालत गंभीर

सिएटल फायर डिपार्टमेंट की प्रवक्ता ग्रेस नुनेज के मुताबिक, फायरिंग में मारे गए दोनों लोगों की मौत मौके पर ही हो गई। 5 घायलों को हार्बरव्यू मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जिनमें से एक की मौत इलाज के दौरान हो गई।

दावा- PoK में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग, 19 मौत: सरकार के खिलाफ मार्च निकाल रहे थे; भारत बोला- पाकिस्तान अवैध चुनाव के जरिए लीपापोती कर रहा

एजेंसी न्यूज. मुजफ्फराबाद

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान हिंसा भड़क गई। अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 19 लोगों की मौत होने की खबर है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। चुनावी धांधली के आरोपों और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच कई मतदान केंद्रों पर झड़पें भी हुईं।

जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के समर्थकों का आरोप है कि रावलकोट में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 19 लोगों की जान गई। संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर मृतकों के नाम भी जारी किए हैं।

भारत ने PoK में हो रहे चुनावों को मानने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान इन चुनावों के जरिए PoK पर अपने अवैध कब्जे को छिपाने और वहां हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों से दुनिया का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है।

बातचीत विफल होने के बाद मार्च निकला

JAAC ने प्रशासन को 27 जुलाई दोपहर 1 बजे तक अपनी मांगें मानने का अल्टीमेटम दिया था। संगठन चाहता था कि गिरफ्तार कार्यकर्ताओं को रिहा किया जाए, प्रदर्शनकारियों पर

दर्ज मामले वापस लिए जाएं और व्यापक प्रशासनिक सुधार लागू किए जाएं।

जब कोई समझौता नहीं हुआ तो हजारों लोग रावलाकोट में जुटे और मुजफ्फराबाद की ओर मार्च शुरू कर दिया।

लगातार विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए प्रशासन ने सुधनोती और रावलाकोट जिलों में चुनाव 10 अगस्त तक के लिए टाल दिए हैं।

चुनाव से पहले क्यों भड़का पूरा इलाका?

इन प्रदर्शनों का नेतृत्व जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) कर रही है। सरकार ने 5 जून को प्रस्तावित प्रदर्शन से कुछ दिन पहले ही इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद संगठन के कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। कुछ नेता भूमिगत हो गए, जबकि कुछ अब भी पुंछ डिवीजन के मुख्यालय रावलाकोट में धरना स्थलों से आंदोलन चला रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में करीब 40 लोगों की मौत हो चुकी है। कई जगह लगातार धरने और सड़क जाम हुए हैं।

स्थिति इतनी खराब हो गई कि बैंक लगातार दो सप्ताह तक बंद रहे। अधिकांश क्षेत्रों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं अब भी बंद हैं। भारत की सीमा से सटा पुंछ डिवीजन, जहां सबसे ज्यादा विरोध प्रदर्शन हुए, कई सप्ताह तक लगभग पूरी तरह सील रहा। इससे वहां आटा और अन्य जरूरी सामान की आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई।

दूसरी ओर सरकार और अदालत का कहना है कि इन सीटों को केवल संविधान संशोधन के जरिए ही हटाया जा सकता है।

यौन अपराधी एपस्टीन की करोड़ों की संपत्ति किसे मिलेगी: बेलारूस की डेंटिस्ट सबसे बड़ी दावेदार, एपस्टीन ने मरने से पहले आखिरी कॉल उन्हें किया था

एजेंसी न्यूज. वॉशिंगटन डीसी

दुनिया के सबसे कुख्यात यौन अपराधियों में शामिल जेफ्री एपस्टीन की मौत को सात साल हो चुके हैं, लेकिन उसकी अरबों रुपए की संपत्ति को लेकर विवाद अब भी जारी है।

अमेरिकी जांच एजेंसियों के नए दस्तावेजों से पता चला है कि बेलारूस की 37 वर्षीय डेंटिस्ट कारिना शुलियाक उसकी संपत्ति की सबसे बड़ी दावेदार हो सकती हैं।

दस्तावेजों के मुताबिक, एपस्टीन ने अपनी वसीयत में कारिना के

नाम करीब 959 करोड़ रुपए की संपत्ति और 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी छोड़ी थी।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कारिना शुलियाक एपस्टीन की गर्लफ्रेंड थीं। 10 अगस्त 2019 को न्यूयॉर्क की जेल में आत्महत्या से पहले एपस्टीन ने आखिरी फोन कॉल भी उन्हें ही किया था।

दोनों के प्राइवेट ईमेल और तस्वीरें सार्वजनिक हुईं

जेफ्री एपस्टीन की 2019 में मौत के बाद डॉ. कारिना शुलियाक लोगों की नजरों से दूर रहकर सामान्य जिंदगी जी रही थीं। हालांकि, यह ज्यादा समय तक नहीं चल सका।

जनवरी के आखिर में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े करीब 30 लाख पन्नों के दस्तावेज, ईमेल और रिकॉर्ड जारी किए। इनमें डॉ. कारिना शुलियाक और एपस्टीन के बीच हुए हजारों निजी ईमेल और दोनों की साथ में ली गई कई तस्वीरें भी शामिल हैं।

इन दस्तावेजों से दोनों के करीब 8 साल पुराने रिश्ते का खुलासा हुआ। रिकॉर्ड के मुताबिक, बेलारूस में जन्मीं कारिना शुलियाक ने कभी खुद को एपस्टीन की पीड़िता नहीं बताया। वहीं, एफबीआई ने भी एपस्टीन मामले में उनसे कभी पूछताछ नहीं की। एपस्टीन की सैकड़ों कथित पीड़िताओं की ओर से केस लड़ने वाले वकीलों ने भी उनका बयान कभी दर्ज नहीं कराया।

मिडिल ईस्ट में शुरू हो सकती है एक नई जंग: सऊदी अरब का यमन की राजधानी सना पर हमला, हूती ने शुरू की समुद्री नाकेबंदी

एजेंसी न्यूज. सना/रियाद

28 फरवरी को जब अमेरिका और ईरान के बीच जंग शुरू हुई थी, तभी माना जा रहा था कि इसमें ईरान के सहयोगी हूती विद्रोही भी कूद सकते हैं। करीब पांच महीने बाद वही आशंका सच साबित होती दिख रही है।

पिछले एक हफ्ते में हूतियों ने सऊदी अरब और रेड सी में जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन से कई हमले किए हैं। जवाब में सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने भी हूती ठिकानों पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं।

यानी करीब चार साल से किसी तरह टला हुआ यमन का युद्ध फिर भड़कने की कगार पर है। हूतियों ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान कर दिया है, जबकि दोनों तरफ से हमले लगातार बढ़ रहे हैं। इससे मिडिल ईस्ट में एक नई जंग शुरू होने का खतरा बढ़ गया है।

हूती और सऊदी के बीच विवाद की शुरुआत

हूती और सऊदी के बीच ताजा विवाद 13 जुलाई को शुरू हुआ। दरअसल, कुछ हूती नेता अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में शामिल होने के बाद ईरान से यमन लौट रहे थे। लेकिन यमन की सऊदी समर्थित सरकार ने इस प्लेन को सना एयरपोर्ट पर उतरने ही नहीं दिया।

यमन सरकार का कहना था कि हूती अधिकारी यमन की राष्ट्रीय एयरलाइन से ही वापस लौटें। उन्हें ईरान की एयरलाइन में आने नहीं दिया जाएगा। वहीं हूती ईरानी विमान को सीधे सना में उतारने पर अड़े रहे।

क्या कहते हैं आपके सितारे

मेष :- आपको अपने करियर से संबंधित समस्याओं को दूर करने में सफलता मिलेगी। आप में से कुछ लोग ऐसे भी होंगे जो अपने व्यावसायिक कामों की उलझनों को सुलझा नहीं पा रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए भी आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण होगा।

वृष :- कामकाज में बेहतरीन उपलब्धि मिलेगी, पारिवारिक और घरेलू विवाद के चलते मानसिक परेशानी हो सकती है। इस वजह से काम में भी बाधा आएगी। स्वास्थ्य की परेशानी और कारोबार के गिरावट के आसार इसी वजह से हो सकते हैं।

मिथुन :- परिजनों और नजदीकी लोगों के कारण आज आपको मानसिक अशांति का सामना करना पड़ेगा। हो सकता है कि आपको कोई करीबी दोस्त किसी गहरे संकट में घिर गया हो। कामकाज में हालात में कोई बदलाव नहीं आएगा।

कर्क :- आज के दिन आपको अपने मान - सम्मान में हो रही वृद्धि का सुख मिलेगा। किसी महत्वपूर्ण संगठन या संस्था द्वारा आप सम्मानित किए जा सकते हैं। मित्रता और प्रेम प्रकरण के मामले में अगर कुछ प्रयास करेंगे तो मामला आगे बढ़ सकता है।

सिंह :- व्यापार से जुड़े हुए लोग आज के दिन काम में मिलने वाली सफलता पर गर्व महसूस करेंगे। अगर किसी लंबी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे हैं , तो फिलहाल इसमें रुकावट आ सकती है। अपना अकाउंट पेपर्स वगैरह संभालकर रखें।

कन्या :- किसी सरकारी काम से जुड़े मामले पर आज आपको काफी मेहनत और परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कुछ ऐसे समाचार भी आपको मिलेंगे कि आपके विरोधी आपके लिए कोई नया संकट खड़ा कर रहे हैं।

तुला :- जिन बातों से आपको बचना चाहिए , उन्हीं मामलों में आप लापरवाही कर रहे हैं। इनसे आपके स्वास्थ्य की परेशानी कुछ ज्यादा बढ़ती जा रही है। अपने करीबियों के दम पर जो काम आप पूरे करने जा रहे हैं , वे आज के दिन पूरे नहीं हो पाएंगे।

वृश्चिक :- आज पूरा दिन ही आप किसी मनहूस व्यक्ति के साये से परेशानी के मूड में नजर आएंगे। अंधविश्वास को त्याग दें। सुबह ही आपको ऐसे संकेत मिल जाएंगे कि आपका सारा दिन किसी व्यर्थ के काम में उलझ गया है।

धनु :- कुछ जरूरी कामों में इच्छित सफलता मिलने से आज आपका मानसिक संतुलन कायम रहेगा। अपने प्रियजनों और सहयोगियों को आप गिफ्ट देकर भी खुश कर सकते हैं। आगे चलकर आपकी कार्यक्षमता व कारोबार की स्थिति बेहतर होती जाएगी।

मकर :- जिस काम को आज आप करने जा रहे हैं , वह बेहद सहज और सरल तरीके से पूरा हो जाएगा। हो सकता है कि आगे चलकर जो परिस्थितियां बनें, उन सभी के बीच आपका आज का फैसला बहुत अहम साबित हो।

कुंभ :- आपको ऐसे महत्वपूर्ण और जरूरी काम करने में सफलता मिलेगी , जिसकी मांग बहुत दिनों से की जा रही थी। पराक्रम वृद्धि के साथ ही किसी व्यक्ति का सहयोग और अधिकारी वर्ग की कृपा भी आपके लिए वरदान सिद्ध होगी।

मीन :- किसी अज्ञात आशंका के चलते आज आप पूरे दिन दुविधा और परेशानी के माहौल में रहेंगे। यह समस्या किसी लेन - देन या जमीन - जायदाद से भी जुड़ी हुई हो सकती है। मानसिक अशांति के कारण फिलहाल कोई भी काम ठीक से नहीं होगा।

ट्रम्प से मुलाकात करने अमेरिका पहुंचे जेलेंस्की-नेतन्याहू

एजेंसी न्यूज. वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प व्हाइट हाउस में आज यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि इन दोनों बैठकों में यूरोप और पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर अहम फैसले हो सकते हैं।

BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, जेलेंस्की ट्रम्प से ऐसे समय मुलाकात कर रहे हैं, जब रूस यूक्रेन पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। इस बैठक में वे अमेरिका से पैट्रियट एयर डिफेंस मिसाइलें और उनके उत्पादन में सहयोग मांगेंगे। जेलेंस्की का कहना है कि यूक्रेन

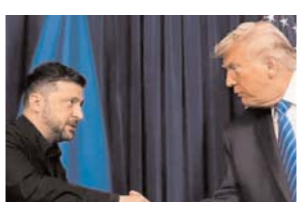

की हवाई सुरक्षा मजबूत करने के लिए इन मिसाइलों की तुरंत जरूरत है।

वहीं, नेतन्याहू के साथ ट्रम्प की बैठक में ईरान जंग पर चर्चा होगी। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के एक अधिकारी ने कहा कि दोनों नेता इस बात पर चर्चा करेंगे कि युद्ध को कैसे खत्म किया जाए और क्षेत्र में स्थायी शांति कैसे लाई जाए।

जापान में 6.8 तीव्रता का भूकंप, शॉपिंग मॉल गिरा: 50 से ज्यादा लोग फंसे, 1.5 लाख लोगों को हटाया गया; टोक्यो से 900km दूर था केंद्र

एजेंसी न्यूज. टोक्यो

जापान के दक्षिणी कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 6.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। तेज झटकों के बाद काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई, जिससे 50 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक कई लोग घायल हुए हैं।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (JMA) के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4=27 बजे आया। इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन करीब एक घंटे बाद इसे वापस ले लिया गया।

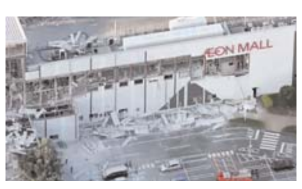

भूकंप के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर क्यूशू द्वीप के 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में जाने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय प्रसारक NHK की तस्वीरों में कई सड़कों और पुलों में दरारें, इमारतों में आग और अन्य नुकसान दिखाई दे रहे हैं। सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है, जबकि प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

भूकंप में जापान के परमाणु संयंत्र को कोई नुकसान नहीं

जापान की न्यूक्लियर रेगुलेशन अथॉरिटी ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) को बताया कि आज आए भूकंप से सेंदाई परमाणु ऊर्जा संयंत्र को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। IAEA ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, ÷हम हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।÷

साल 2011 में 9.1 तीव्रता के भूकंप और उसके बाद आई सुनामी से फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र के तीन रिएक्टरों में गंभीर हादसा हुआ था। इसके बाद से जापान में हर बड़े भूकंप के दौरान परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा पर खास नजर रखी जाती है।

कुमामोटो में 60 से ज्यादा आफ्टरशॉक आए

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, कुमामोटो में आए 6.8 तीव्रता के भूकंप के बाद अब तक 1 से 4 तीव्रता के 60 से ज्यादा आफ्टरशॉक दर्ज किए गए हैं।

भूकंप प्रभावित इलाके में 3600 सैनिक तैनात

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकइची ने मंगलवार को बताया कि कुमामोटो में राहत और बचाव अभियान के लिए अब तक करीब 3,600 सैन्यकर्मियों को तैनात किया गया है।

वहीं, जापान जापान सेल्फ डिफेंस फोर्स के 300 जवानों को भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेना स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर बचाव कार्य, राहत सामग्री पहुंचाने और प्रभावित लोगों की मदद में जुटेगी।

शब्द सामर्थ्य -113

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्‌भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

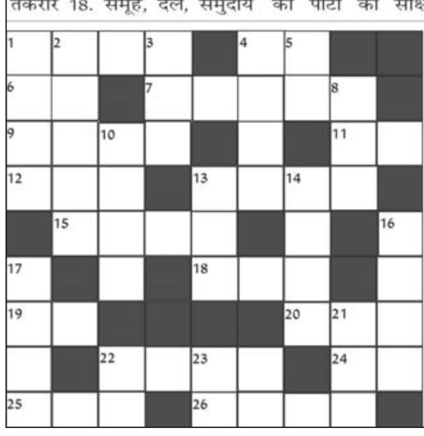

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 112 का हल

दि	क्र	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

सू- दोकू क्र.113

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.112का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

कनाडा के टोरंटो में स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर सोमवार सुबह फायरिंग हुई। राहत की बात यह रही कि इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ। हालांकि, गोली लगने से दूतावास की इमारत के बाहरी हिस्से को नुकसान पहुंचा है।

बस्तर इम्पेक्ट

सस्ता विज्ञापन और बेहतर व्यवसाय. अपने व्यवसाय का विस्तार करें.

आज ही बुकिंग कराएं

पांच गुणा एक कॉलम बाक्स

प्रतिमाह 500/- रु. मात्र

संपर्क करें -

विज्ञापन प्रबंधक

दैनिक बस्तर इम्पेक्ट

फोन : 252528 फैक्स : 252111

छात्र आंदोलन को पाकिस्तानी समर्थन के दावे पर भारत बोला: पाकिस्तानी सीमा पर आतंकवाद बंद करे, इंडियन GenZ भी यही चाहते हैं

नई दिल्ली। भारत सरकार ने मंगलवार को उन खबरों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें कहा गया था कि पाकिस्तान के कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और GenZ समूहों ने दिल्ली में हुए CJP के छात्र आंदोलन का समर्थन किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी चिंता पाकिस्तान का सीमा पार आतंकवाद है।

पाकिस्तान के कई इन्फ्लुएंसर्स ने समर्थन जताया था

CJP छात्र आंदोलन के दौरान पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने खुलकर छात्रों का समर्थन किया था। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के साझा इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के युवाओं की परेशानियां और उम्मीदें एक जैसी हैं।

इंस्टाग्राम पर करीब 3 लाख फॉलोअर्स वाले पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर बिलाल हसन ने एक वीडियो जारी कर कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच नफरत फैलाई गई है, लेकिन पाकिस्तान के लोग आंदोलन के पोस्टर, नारों और संदेशों को अच्छी तरह समझते हैं।

उन्होंने कहा, हम खुद को इस आंदोलन में देखते हैं। आखिर हम एक बंटे हुए परिवार के बच्चे हैं।

बिलाल ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को बहादुर बताया और कहा कि वे अपने देश का बेहतर भविष्य चाहते हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे एकजुट रहें और कोई भी जोखिम सोच-समझकर उठाएं।

पाक क्रियटर्स ने मीम्स और वीडियो भी बनाए

समर्थन सिर्फ बयानों तक सीमित नहीं रहा। कई पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर्स ने आंदोलन पर मीम्स और वीडियो भी बनाए। कुछ ने मजाक में कहा कि उन्हें जंतर-मंतर पहुंचने से सिर्फ भारत-पाकिस्तान की सीमा रोक रही है।

वहीं, कुछ लोगों ने पाकिस्तानी पासपोर्ट के साथ प्रदर्शन में पहुंचने की कल्पना वाले वीडियो बनाए। एक अन्य वीडियो में एक पाकिस्तानी महिला ने कहा कि भारत के त्द्दर्ठुं की वजह से उसके लिए भारत से नफरत करना मुश्किल होता जा रहा है।

पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर महविश एजाज ने भी छात्र आंदोलन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले छात्रों की संघर्ष की कहानियों ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया।

वहीं, पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर अहसान मिर्जा ने कहा, छात्रों को हमेशा छात्रों का साथ देना चाहिए। हम एक जैसे हैं। हमारे पूर्वजों ने एक ही रोटी खाई और अंग्रेजों के खिलाफ साथ लड़ाई लड़ी।

ब्रेकिंग न्यूज...

9 जुआरियों से 7 बाइक व 12 हजार नगद जब्त

इम्पेक्ट न्यूज. कांकेर

कोरर थानांतर्गत ग्राम कन्हारपुरी में नदी किनारे आधी रात दबिश देकर पुलिस ने 9 जुआरियों को पकड़ा। ये सभी अलग-अलग गांव के रहने वाले हैं। वे जुआ खेलने नदी किनारे जमा हुए थे। जुआरियों के कब्जे से 11,400 रुपए नकद के अलावा 7 बाइक जब्त की गईं। इनके खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कन्हारपुरी नदी किनारे जुआरी जमा होकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी। पुलिस ने घेराबंदी कर जुआरियों को पकड़ा। पकड़े गए जुआरियों में राम निषाद निवासी ग्राम गौर, हेमंत साहू निवासी ग्राम पेटोली, वेदप्रकाश कोसमा निवासी कन्हारपुरी, खिलेश उर्फ खिलावन नायक निवासी कन्हारपुरी, महेश बघेल निवासी आवराभाट, धमेंद्र प्रधान निवासी देवरी, चोमन भोयर निवासी कन्हारपुरी, सितेश्वैर उर्फ सीनू कुंजाम निवासी बागोडार तथा फरसराम निवासी देवरी शामिल हैं। कोरर थाना प्रभारी लक्ष्मी नारायण ने बताया कि जुआरियों के कब्जे से कुल 11,400 रुपए नकदी के अलावा 7 बाइक जब्त की गई हैं। उक्त बाइक के मालिकों की भी जांच की जा रही है।

वर्ष 2006-08 में बिना टेंडर हुई थी सामग्री क्रय; षड्यंत्र से पहुंचाया गया शासन को आर्थिक नुकसान

इम्पेक्ट न्यूज. कांकेर

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में वर्ष 2006-07 और 2007-08 के दौरान सामग्री खरीद में हुई वित्तीय अनियमितताओं के 18 साल पुराने मामले में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने सोमवार को कांकेर स्थित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विशेष न्यायालय में 6 हजार पृष्ठों का चालान पेश किया। मामले में तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ समेत कुल आठ अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। जांच में ?1.69 करोड़ की शासकीय राशि के अनियमित व्यय, अपव्यय और अमानत में खयानत के साक्ष्य मिलने का दावा किया गया है।

जांच के अनुसार तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ ने शासन की व्यवस्था के विपरीत जिला स्तर पर केंद्रीकृत सामग्री खरीद कराई। नियमों के अनुसार सामग्री खरीदने का अधिकार संबंधित जनपद और ग्राम पंचायतों को था। फ्लेक्सी बोर्ड, मस्टर रोल सत्यापन पत्रक, रोजगार गारंटी योजना मार्गदर्शिका, रोजगार उपलब्धता पंजी, फाइल कवर और अन्य सामग्री की खरीद निर्धारित निविदा प्रक्रिया और क्रय नियमों का पालन किए बिना की गई। विवेचना में छत्तीसगढ़ पंचायत (सामग्री तथा माल क्रय) नियम, भंडार क्रय नियम तथा अन्य निर्धारित प्रक्रियाओं के उल्लंघन के प्रमाण मिलने की बात कही गई है।

जांच एजेंसी के अनुसार जिला पंचायत कांकेर तथा सातों जनपद पंचायतों के तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारियों ने आपसी सांठगांठ और षड्यंत्र के तहत अनियमितताएं कीं।

आरोप- 19 लाख की लागत से गोंडवाना भवन टिन शेड निर्माण में घटिया सामग्री

इम्पेक्ट न्यूज. दुर्गूकोंदल

विकासखंड मुख्यालय स्थित गोंडवाना भवन परिसर में टीन शेड निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगा है। 19 लाख रुपए की स्वीकृत राशि से हो रहे इस निर्माण कार्य को लेकर गोंडवाना समाज के पदाधिकारियों ने कड़ा आक्रोश जताया है। समाज प्रमुखों ने निर्माण स्थल का जायजा लिया। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने प्रशासन से उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

निरीक्षण के दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने पाया कि प्लिंथ निर्माण में बेहद निम्न स्तर की मिट्टी-मिश्रित रेत का उपयोग किया जा रहा है। सीमेंट की मात्रा भी बेहद कम है। पदाधिकारियों का आरोप है कि बाहरी ठेकेदार शासन की लाखों रुपये की राशि का दुरुपयोग कर रहा है। खुलेआम लीपापोती की जा रही है। स्थल निरीक्षण में मौजूद समाज प्रमुख आयनू ध्रुव, देवेंद्र टेकाम, राजेश गोटा, मुकेश गावड़े और महत्तम दुग्गा ने डंप की गई घटिया रेत का अवलोकन कराया।

सीआरपीएफ ने मनाया 88वां स्थापना दिवस, शहीदों को श्रद्धांजलि

कोंडागांव में 510 फलदार और औषधीय पौधे भी रोपे

इम्पेक्ट न्यूज. कोंडागांव

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 188वीं बटालियन ने सोमवार, 27 जुलाई को अपना 88वां स्थापना दिवस कोंडागांव में मनाया। इस अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, उत्कृष्ट कार्य करने वाले जवानों को सम्मानित किया गया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 510 फलदार एवं औषधीय पौधों का वृक्षारोपण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत 188वीं बटालियन के कमांडेंट (एओडी) नीतीन्द्रनाथ द्वारा क्वार्टर गार्ड पर सेरेमोनियल गार्ड के निरीक्षण और सलामी लेने से हुई। इसके बाद, राष्ट्रीय राजमार्ग-30 स्थित शहीद स्मारक पर बस्तर क्षेत्र को नक्सल मुक्त बनाने के अभियान में सर्वोच्च बलिदान देने वाले अधिकारियों और जवानों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

सैनिक सम्मेलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में कमांडेंट नीतीन्द्रनाथ ने स्थापना दिवस

की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ पिछले 88 वर्षों से अदम्य साहस, सर्वोच्च बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा के साथ मातृभूमि की सेवा में समर्पित है। बल का योगदान केवल आंतरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का भी सफलतापूर्वक निर्वहन किया जा रहा है। इस दौरान सभी अधिकारियों, जवानों एवं उनके परिवारजनों को मिष्ठान्न वितरित किया गया।

स्थापना दिवस के अवसर पर भारत सरकार के वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत 188वीं बटालियन ने मुख्यालय चिकलपुट्टी कैंप सहित केशकाल (कोंडागांव), पालेम, मारीपारा (सुकमा) और पुसपालघाट (बस्तर) में कुल 510 फलदार एवं औषधीय पौधे लगाए।

शाम के समय मुख्यालय परिसर में रस्साकशी और वॉलीबॉल सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सामूहिक भोज का भी आयोजन हुआ, जिसमें अधिकारियों, जवानों और परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वाहिनी की दूरस्थ कंपनियों में भी स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मर्दापाल और मड़ानार में 8 स्कूलों की 238 छात्रा को मंत्री केदार कश्यप ने दी साइकिल

कोंडागांव। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने शनिवार को मर्दापाल क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मड़ानार एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मर्दापाल में आयोजित निशुल्क सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना के तहत 238 छात्राओं को साइकिल वितरित की।

साथ ही क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान किया। उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मड़ानार में आयोजित कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मड़ानार, सोनाबाल एवं गोलावंड की 57 छात्राओं को साइकिल वितरित की गईं। वहीं मर्दापाल में मर्दापाल, हसलनार, मटवाल, कांगा, नवागांव एवं खड़पड़ी की 181 छात्राओं को साइकिल प्रदान की गईं।

मंत्री ने छात्राओं को नियमित रूप से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को संवारने का संदेश दिया। अपने संबोधन में केदार कश्यप ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के वीर सेनानियों का भी आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर लंबे समय तक माओवाद से प्रभावित रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में क्षेत्र तेजी से माओवाद के प्रभाव से मुक्त हो रहा है। उन्होंने इस परिवर्तन में पुलिस एवं सुरक्षा बलों की भूमिका की सराहना की।

प्राचार्यों व समन्वयकों की बैठक, 31 जुलाई तक नवोदय के आवेदन भरने के निर्देश

दुर्गूकोंदल। दुर्गूकोंदल में शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, परिणामोन्मुख व समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से एबीईओ अंजनी मंडावी के नेतृत्व में बीईओ कार्यालय में समस्त प्राचार्यों एवं संकुल समन्वयकों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में बस्तर संभाग के आयुक्त एवं संयुक्त संचालक के निर्देशों के अनुरूप शैक्षणिक व प्रशासनिक गतिविधियों की व्यापक समीक्षा की गई। एबीईओ अंजनी मंडावी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समयबद्ध प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन के लिए विद्यालय प्रमुखों व समन्वयकों की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित प्रत्येक कार्य को प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया। मंडावी ने निर्देश दिए कि आगामी 31 जुलाई से पूर्व सभी पात्र विद्यार्थियों के आवेदन अनिवार्य रूप से भरवाए जाएं। प्रतिदिन निःशुल्क कोचिंग संचालित की जाए। उन्होंने संकुल लोहत्तर द्वारा प्रारंभ की गई संकुल-स्तरीय निःशुल्क कोचिंग पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि दुर्गूकोंदल लगातार नवोदय चयन में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करता आ रहा है। इस गौरवशाली उपलब्धि को आगे भी बनाए रखना है।

मानपुर से अवैध शराब सप्लाई का मुख्य आरोपी गिरफ्तार: कांकेर में 10.2 लीटर अंग्रेजी शराब की करता था बिक्री,उजियारा अभियान के तहत कार्रवाई

इम्पेक्ट न्यूज. कांकेर

कांकेर जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे %उजियारा अभियान% के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अवैध शराब आपूर्ति के मुख्य आरोपी नवेश कुमार तिवारी उर्फ मंता तिवारी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस का दावा है कि आरोपी क्षेत्र में अवैध शराब की सप्लाई करता था और उसकी लंबे समय से तलाश की जा रही थी।

पुलिस के अनुसार, 16 जुलाई 2026 को लोहत्तर थाना क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान मंगतू राम टेकाम को गिरफ्तार किया गया था। उसकी किराना दुकान की तलाशी में एक बैग से 15 शीशी अंग्रेजी गोवा शराब और एक कार्टन से 15 नग लिमाउंट बीयर बरामद हुई थी।

पहले शराब बेचने वाला पकड़ा, फिर खुला सप्लायर का नाम

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुल 10.2 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 4,125 रुपये है,

जब्त की थी। इसके अलावा शराब बिक्री से प्राप्त 280 रुपये नकद भी बरामद किए गए थे।

पूछताछ में सामने आया मुख्य आरोपी

पूछताछ में मंगतू राम टेकाम ने पुलिस को बताया कि वह यह अवैध शराब नवेश कुमार तिवारी उर्फ मंता तिवारी से खरीदकर बेचता था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की।

मानपुर से गिरफ्तार, कोर्ट में किया पेश

लगातार तलाश के बाद पुलिस ने नवेश कुमार तिवारी उर्फ मंता तिवारी को मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मानपुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई।

पहले भी दर्ज है मामला

पुलिस ने बताया कि मंगतू राम टेकाम (46), निवासी ग्राम दंडाईखेड़ा, थाना लोहत्तर, के खिलाफ पहले ही अपराध क्रमांक 08/2026 के तहत आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) में मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कोंडागांव एसपी पंकज चंद्रा देश के टॉप-5 अधिकारियों में: आईपीएस इंडक्शन ट्रेनिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बनाई जगह

इम्पेक्ट न्यूज. कोंडागांव

कोंडागांव के पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (NPA) में आयोजित 48वें आईपीएस इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में उन्होंने देशभर के आईपीएस अधिकारियों में शीर्ष पांच प्रतिभागियों में स्थान प्राप्त किया है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए एसपी चंद्रा को अकादमी द्वारा ÷हाई अचीवमेंट सर्टिफिकेट÷ से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनकी पेशेवर दक्षता और प्रशिक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 अप्रैल से 15 मई 2026 तक आयोजित किया गया था। इस दौरान प्रतिभागियों का मूल्यांकन विभिन्न मानकों पर किया गया, जिनमें कक्षा में सहभागिता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, केस स्टडी प्रस्तुतीकरण और मल्टीपल चॉइस प्रश्न (MCQ) परीक्षा में प्रदर्शन शामिल थे।

राष्ट्रीय पुलिस अकादमी ने 24 जून 2026 को छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर एसपी

पंकज चंद्रा के शीर्ष पांच स्थानों में आने की जानकारी दी। अकादमी ने महानिदेशक से उन्हें प्रदान किया गया हाई अचीवमेंट सर्टिफिकेट सौंपने का भी अनुरोध किया है।

एसपी पंकज चंद्रा की यह सफलता न केवल कोंडागांव पुलिस बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग के लिए गौरव का विषय है। उनकी मेहनत और नेतृत्व क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान युवा पुलिस अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत मानी जा रही है।

पुलिस विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और जिले के नागरिकों ने इस उल्लेखनीय उप।लब्धि पर एसपी पंकज चंद्रा को बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, प्रेमी गिरफ्तार हुआ

कांकेर। कोतवाली में एक युवती ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया। युवती ने शिकायत में बताया कि युवक ईश्वर सिंह गोटा, निवासी कोलियारी आमाबेड़ा, ने मुझे अपने प्रेम प्रसंग में फंसाया। मैं उसके झांसे में आ गई। इसके बाद साल 2020 में उसने शादी का झांसा देकर मेरे साथ दुष्कर्म किया। वह इसी झांसे में रखकर जुलाई 2026 तक शारीरिक संबंध बनाता रहा। जब मैंने शादी के लिए दबाव बनाया तो उसने इंकार कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के घर दबिश दी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शिक्षकों की कमी, नाराज पेरेंट्स ने स्कूल में जड़ा ताला: कोंडागांव के अमोड़ीपारा प्राथमिक शाला में प्रदर्शन, नियुक्ति तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी

इम्पेक्ट न्यूज. कोंडागांव

कोंडागांव जिले के माकड़ी विकासखंड के ग्राम अमोड़ीपारा (रांधना) स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में शिक्षकों की कमी को लेकर सोमवार को पालकों ने विरोध प्रदर्शन किया। नाराज पालकों ने स्कूल के मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया और शिक्षक की नियुक्ति होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

पालकों का कहना है कि विद्यालय पिछले तीन वर्षों से शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है। मूल पदस्थ प्रधान पाठक श्रीमती गीता पांडे के संलग्नीकरण के बाद से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। पालकों ने बताया कि इस संबंध में शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कई बार शिकायत की

गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला।

मौके पर पहुंचे शिक्षा अधिकारी, नहीं बनी बात

स्कूल में तालाबंदी की जानकारी मिलने के बाद दोपहर करीब 12 बजे माकड़ी विकासखंड शिक्षा अधिकारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पालकों से चर्चा कर ताला खोलने और आंदोलन समाप्त करने का प्रयास किया, लेकिन बातचीत सफल नहीं हो सकी। पालक शिक्षक की तत्काल नियुक्ति की मांग पर अड़े रहे।

कानून व्यवस्था के लिए पुलिस और प्रशासन मौजूद

स्थिति को देखते हुए फरसगांव थाना प्रभारी, राजस्व निरीक्षक (आरआई) और पटवारी भी मौके पर मौजूद रहे। हालांकि पूरे घटनाक्रम के दौरान माहौल शांतिपूर्ण बना रहा।

बच्चों के भविष्य के लिए जारी रहेगा आंदोलन

पालकों ने कहा कि उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है, बल्कि बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक विद्यालय में पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की जाती, तब तक तालाबंदी और विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। अब सभी की नजर शिक्षा विभाग की कार्रवाई पर है।

मामूली विवाद में युवक व उसके परिवार की पिटाई

कांकेर। चारामा के जैसाकर्रा में एक युवक और उसे बचाने आए पूरे परिवार की बेदम पिटाई की गई। इससे परिवार घायल हो गया। युवक यशराज पवार, 22 साल, निवासी जैसाकर्रा ने बताया, 26 जुलाई की रात 10 बजे मेरे मोबाइल पर मैसेज आया। जिसमें मुझे गाली दी गई थी। कुछ देर बाद कुछ युवक मेरे घर के बाहर आए। वे मेरा नाम लेकर गाली-गलौच करने लगे। मैं घर से बाहर निकला।

तब दुष्यंत चौहान, कृष्णा चौहान तथा रोहित कुंजाम ने मुझे पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने हाथ में पहने चूड़े से भी वार किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

कांकेर में मलेरिया से मौतें, स्वास्थ्य मंत्री ने फटकारा: बस्तर संभाग के अधिकारियों को लापरवाही पर सख्त निर्देश, मंत्रि-सचिव कांकेर पहुंचे

इम्पेक्ट न्यूज. कांकेर

उत्तर बस्तर, कांकेर में मलेरिया के बढ़ते प्रकोप और छात्रावासों में बच्चों की मौत के बाद राज्य सरकार ने गंभीरता दिखाई है। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया मंगलवार को कांकेर पहुंचे। उन्होंने जिला पंचायत सभागार में कांकेर सहित बस्तर संभाग के सभी जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली।

करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में सर्वे, जांच और उपचार अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावासों, आश्रमों और संवेदनशील ग्रामीण इलाकों में विशेष निगरानी रखने, समय पर जांच, दवा वितरण और स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्पष्ट किया कि %मलेरिया मुक्त बस्तर% अभियान को युद्धस्तर पर संचालित किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को साफ-सफाई, मच्छरजनित बीमारियों से बचाव और समय पर जांच के प्रति लोगों को लगातार जागरूक करने के भी निर्देश दिए। बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को फटकार लगाई और गंभीरता से काम करने कहा। बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को फटकार लगाई और गंभीरता से काम करने कहा। समीक्षा बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उपचार व सुविधाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अलबेलापारा स्थित मातृ एवं शिशु अस्पताल का दौरा किया और छात्रावासों से मलेरिया संक्रमित होकर भर्ती बच्चों से मिलकर उनके इलाज की जानकारी डॉक्टरों से ली।

उल्लेखनीय है कि कांकेर जिले के कुछ छात्रावासों में हाल के दिनों में मलेरिया के मामलों में तेजी आई है। कई बच्चे संक्रमित पाए गए हैं और कुछ बच्चों की मौत भी हुई है। इन घटनाओं के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और उपचार अभियान को तेज कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री का यह दौरा और समीक्षा बैठक जिले में मलेरिया नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ0ग0)

//मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना प्रथम बार (क.–05)//

क्रमांक/ 818 /निविदा/ग्रा.यां.सेवा/2026–27 दन्तेवाड़ा दिनांक–27/07/2026

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल आमंत्रण निविदा प्राप्ति दिनांक **19/08/2026** तक आमंत्रित की जाती है :–

स. क.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रू.लाख में)	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित **समलूर** का निर्माण कार्य सेनेटरी फिटिंग सहित (विद्युतीकरण छोड़कर) वि.खं.–गीदम	**24.134 लाख**	दिनांक **19/08/2026** शाम 5.00 बजे तक
2	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित **भूसारास** का निर्माण कार्य सेनेटरी फिटिंग सहित (विद्युतीकरण छोड़कर) वि.खं.–कटेकल्याण	**24.134 लाख**	
3	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित **अरनपुर** का निर्माण कार्य सेनेटरी फिटिंग सहित (विद्युतीकरण छोड़कर) वि.खं.–कुआकोंडा	**24.134 लाख**	
4	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित **बड़ेगोडरे** का निर्माण कार्य सेनेटरी फिटिंग सहित (विद्युतीकरण छोड़कर) वि.खं.–दन्तेवाड़ा	**24.134 लाख**	
5	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित **बचेली** का निर्माण कार्य सेनेटरी फिटिंग सहित (विद्युतीकरण छोड़कर) वि.खं.–दन्तेवाड़ा	**24.134 लाख**	
6	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित **केशापुर** का निर्माण कार्य सेनेटरी फिटिंग सहित (विद्युतीकरण छोड़कर) वि.खं.–दन्तेवाड़ा	**24.134 लाख**	

2. उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेब साईट http://res.cg.gov.in में दिनांक 01/08/2026 से 17/08/2026 तक देखी/डाऊनलोड की जा सकती है ।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दंतेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ0ग0)

जी-262702397

संपादकीय...

रोजगार निजी अनुबंध पर टिका

कोई नाविक किसी खास रूट (जैसे होरमुज) से गुजरने से मना करता है, तो कंपनी उसका अनुबंध रद्द कर सकती है या ‘ब्लैकलिस्ट’ कर सकती है। इससे उसका भविष्य दांव पर लग सकता है। भारत सरकार ने पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों के हमलों का शिकार बनने के बाद भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए ‘सीफेयरर-फर्स्ट आपातकालीन सुरक्षा योजना’ लागू की है। शिपिंग कंपनियों और भर्ती एजेंसियों को अगले निर्देश तक होरमुज मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों को तैनात ना करने के निर्देश दिए गए हैं। मगर क्या इससे भारतीय नाविक सचमुच सुरक्षित हो जाएंगे? ये सवाल इसलिए अहम है, क्योंकि कागजी सरकारी आदेश और समुद्र की कड़वी हकीकत में कोई मेल नज़र नहीं आता। इसलिए अंदेशा गहरा है कि इस सरकारी पहल को लागू करना मुश्किल साबित होगा। नाविक शिपिंग कंपनियों (या उनकी नौकरी भर्ती एजेंसियों) के कर्मचारी होते हैं, भारत सरकार के नहीं। उनका रोजगार निजी अनुबंध पर टिका होता है। नाविक किसी विदेशी या भारतीय शिपिंग कंपनी या किसी थर्ड-पार्टी मैनिंग एजेंसी के साथ छह से नौ महीने का कांट्रैक्ट साइन करते हैं। इसके तहत कोई नाविक किसी खास रूट (जैसे होरमुज) से गुजरने से मना करता है, तो कंपनी उसका अनुबंध रद्द कर सकती है या ‘ब्लैकलिस्ट’ कर सकती है। इससे उसका भविष्य दांव पर लग सकता है। नौवहन बाजार में भी काम पाने भारी होड़ है। यही कारण है कि नाविक अक्सर जोखिम लेकर भी कहीं जाने को तैयार हो जाते हैं। दुनिया में तमाम नाविकों के बीच भारतीयों की संख्या लगभग 17 प्रतिशत है। जबकि अधिकांश जहाज पनामा, लाइबेरिया, या मार्शल आइलैंड्स जैसे देशों के झंडे तले रजिस्टर्ड हैं, भले उनके मालिक किसी देश के हों।

ऐसे में भारतीय नाविकों पर उस देश का कानून लागू होता है, जिसके नाम पर जहाज पंजीकृत है। भारत सीधे किसी विदेशी जहाज के रूट को लेकर दखल नहीं दे सकता। तो फिर सरकार इस फैसले को लागू कैसे करवाएगी? अधिक से अधिक वह रिक्रूटमेंट और प्लेसमेंट एजेंसियों एजेंसियों पर दबाव डाल सकती है कि वे नाविकों को जबरन खतरे वाले क्षेत्रों में ना भेजें। नाविकों को ‘राइट टू रिफ्यूज’ के तहत युद्ध क्षेत्र में जाने से इनकार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। लेकिन वे ऐसा करियर को दांव पर लगाते हुए ही कर पाएंगे। यही इस मामले का पेच है।

जुनैद, सैफी और इंसानियत

‘जंतर-मंतर’ का युद्ध फिलहाल खत्म हो गया है। ‘कॉकरोच जनता पार्टी के तरुण तुर्कों ने जश्न मनाया’, ‘श्रमपरिहार किया’ जैसी खबरें, तस्वीरें बीजेपी आईटी सेल की तरफ से प्रसारित की जा रही हैं। मानो इन बच्चों ने कोई बड़ा अपराध ही कर दिया हो और इस अपराध की कोई माफी नहीं है, ऐसा बीजेपी के बचे-खुचे अंधभक्तों द्वारा कहा गया। मूल रूप से ‘जंतर-मंतर’ का आंदोलन कोई ‘रोना-धोना’ आंदोलन नहीं था, बल्कि युवाओं का एक जबरदस्त उत्सव था। पुलिस की लाठियां, पेलेट गन्स, कीलों वाली लाठियां, आंसू गैस के गोले सहकर भी युवाओं के चेहरों पर दर्द की शिकन तक नहीं थी। इसलिए आंदोलन खत्म होने पर कॉकरोच किसी बैठक में बैठकर सोच-विचार कर रहे हों, तो बीजेपी के बिच्छुओं के डंक दुखने की कोई वजह नहीं है। इस सारे आनंद-उत्सव में जो खो गए हैं, वे हैं मुहम्मद जुनैद और शदाब सैफी। ‘जंतर-मंतर’ के आंदोलन के वे प्रमुख हिस्सेदार थे और उसी के चलते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पुलिस ने जुनैद और उसके परिवार को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया है। आंदोलन के पहले दिन से ही जुनैद ‘जंतर-मंतर’ के सभी आंदोलनकारियों को खाना और पानी पहुंचा रहा था। उसके पैरों में जख्म हो गए थे, फिर भी कोई आंदोलनकारी भूखा न रहे इसलिए वह दौड़-भाग कर रहा था। इधर-उधर से ‘जुगाड़’ करके ‘जंतर-मंतर’ पर खाने-पीने की पुख्ता व्यवस्था कर रहा था। आंदोलनकारियों को ‘रसद’ न मिल सके, इसलिए पुलिस ने कनॉट प्लेस इलाके के सभी होटल और सड़क किनारे के फूड स्टॉल्स बंद करवा दिए। ‘स्वीगी’ जैसी व्यवस्थाएं बंद करके ‘जंतर मंतर’ पर भुखमरी की नौबत आए, इसका ‘तजाम किया; लेकिन इतना सब करने के बाद भी जुनैद और सैफी की भोजन व्यवस्था जारी ही रही और ‘जंतर-मंतर’ का आंदोलन खत्म होने तक जुनैद यह सेवा देता रहा। ‘जंतर-मंतर’ पर इकट्ठा हुआ हर कार्यकर्ता और छात्र जुनैद का शुक्रिया अदा कर रहा था। जाहिर है, जुनैद ने यह सब सिर्फ इंसानियत के नाते किया। देश के कोने-कोने से आए ये बच्चे, कोई 20 रुपए लेकर आया था, तो कोई नंगे पैर और भूखा ही निकल पड़ा था। उन्हें खाना खिलाने वाला जुनैद सरकार का अपराधी बन गया। जुनैद का, उसके बाल-बच्चों का, माता-पिता, बहन और उसके ससुर का उत्पीड़न पुलिस ने शुरू कर दिया है। जुनैद और उसके परिजनों को अचानक उठाकर पुलिस स्टेशन ले जाया जा रहा है। 12-12 घंटे बिठाकर रखा जा रहा है। जुनैद से तो आंदोलनकारियों को दिए गए हर एक ‘दाने’ का हिसाब मांगा जा रहा है। जुनैद एक साधारण इंसान है, फिर भी 35 दिनों तक उसने हजारों लोगों को खाना खिलाया। यह खर्च किसने किया? इसकी जांच पुलिस कर रही है। जुनैद को ‘फंडिंग’ किसने की? यह भारत सरकार के खोज अभियान का मुख्य हिस्सा बना हुआ है।

डॉयलॉग बॉक्स

जीवन में सफलता केवल ऊंचाई हासिल करने से नहीं, बल्कि दूसरों को भी अपने साथ आगे बढ़ाने से मिलती है। अच्छे विचार, सही कर्म और सकारात्मक सोच ही जीवन को सच्चे अर्थों में महान बनाते हैं।

संवाद

आम पाठकों के लिए मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अभिव्यक्ति का पन्ना आरक्षित है। आपकी पाती, समसमायिक घटनाओं पर विचार, लेख, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मसलों पर सुधि पाठकों का नजरिया पेश करने के लिए इसे रखा गया है।

लेखक केवल महानगरों नहीं बसते हैं। बस्तर भूमि में भी माटी से जुड़े विद्वानों की कमी नहीं है। हम चाहते हैं सभी को इस पन्ने में स्थान मिले और विचारों का आदान-प्रदान हो। यह संवाद आम पाठक और अखबार के बीच कायम रहे। विचारों से बस्तर में बदलाव आए, इन्हीं कामनाओं के साथ अभिव्यक्ति का यह अंक...

-संपादक

हमारा पता : संपादक
दैनिक बस्तर इम्पेक्ट, सिटी आफिस -
एच-163/A, मां दंतेश्वरी नगर, आवराभाटा दंतेवाड़ा, पिन -494449
फोन नंबर : 07856-252024
email - editor@bastarimpact.0rg

छात्रों और युवाओं को भरोसा बना

एस. सुनील

पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन की जिन तस्वीरों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि देश का युवा खास कर ‘जेन जी’ केंद्र की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हो गया है वह देश की प्रतिनिधि तस्वीर नहीं है। इसे ऐसे भी कह सकते हैं कि उन तस्वीरों से देश की वास्तविकता नहीं जाहिर हो रही है। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि पेपर लीक की घटना, जैसा कि प्रधानमंत्री ने स्वंय कहा, ‘जघन्य पाप’ है। लेकिन आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और इसमें शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिले इसके लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पर भी किसी को संदेह नहीं है। देश का युवा वर्ग और छात्रों का भी प्रधानमंत्री के साथ ऐसा सीधा जुड़ाव या संवाद है कि वे इस मामले में प्रधानमंत्री की गंभीरता को समझ रहे हैं।

तभी गुरुवार, 23 जुलाई की रात को प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सीधे युवाओं को ‘फ्रेंड्स’ कह कर संबोधित किया। अपने मोबाइल से वीडियो बना कर उन्होंने पोस्ट किया और अगले दिन यानी शुक्रवार की रात को बताया कि उस पर कितनी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। गुरुवार रात के प्रधानमंत्री के इंस्टाग्राम वीडियो ने रिकॉर्ड बनाया। करीब 35 करोड़ लोगों ने उसे देखा और पेपर लीक से लेकर परीक्षा में सुधार के अनेक सकारात्मक सुझाव दिए, जिनका जिक्र प्रधानमंत्री ने अपने अगले वीडियो में किया।

“प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा और परीक्षा की प्रक्रिया में सुधार की जो पहल की है उस पर छात्रों की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया के बाहर सार्वजनिक रूप से भी दिखने लगी है। उन्होंने जो नियम बनाने और विधायी कदम उठाने की पहल की है और युवाओं से सीधी अपील की है उसका असर यह हुआ है कि आंदोलन की नैतिक ताकत बने सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी और इसके साथ ही आंदोलन की तीव्रता काफी कम हो गई। इसकी व्यापकता भी धीरे धीरे कम हो रही है।”

प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा और परीक्षा की प्रक्रिया में सुधार की जो पहल की है उस पर छात्रों की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया के बाहर सार्वजनिक रूप से भी दिखने लगी है। उन्होंने जो नियम बनाने और विधायी कदम उठाने की पहल की है और युवाओं से सीधी अपील की है उसका असर यह हुआ है कि आंदोलन की नैतिक ताकत बने सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी और इसके साथ ही आंदोलन की तीव्रता काफी कम हो गई। इसकी व्यापकता भी धीरे धीरे कम हो रही है। इसका कारण यह है कि देश के युवाओं को अपने प्रधानमंत्री और उनके संकल्पों पर भरोसा है। उनको विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। इसके रास्ते में जो भी बाधाएं आएंगी उनको दूर किया जाएगा। बहरहाल, पेपर लीक को लेकर भी प्रधानमंत्री की पहल पर एक साथ कई काम शुरू हो गए हैं। शुक्रवार को कैबिनेट की विशेष बैठक संसद भवन के अंदर हुई, जिसमें द पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रीवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। अब सरकार पेपर लीक और परीक्षा में अक्सर होने वाली दूसरी गड़बड़ियों को रोकने के लिए ज्यादा सख्त कानून बनाने जा रही है। इसे मानसून सत्र के दूसरे हफ्ते के शुरू में ही पेश किया जा सकता है। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि इस पर जल्दी से जल्दी चर्चा करा कर कानून बनाया जाए। इसमें पेपर लीक के दोषियों के लिए 10 साल की सजा और 10 करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। साथ ही यह भी प्रावधान किया गया है कि पेपर लीक की घटना की जांच दो महीने में होगी और तीन महीने के अंदर अदालत में ट्रायल पूरा करके फैसला सुनाया जाएगा। इस संशोधन बिल को मंजूरी देने से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने पेपर लीक से जुड़ी घटनाओं की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का आदेश दे दिया था। इस बिल में इस पूरी प्रक्रिया को वैधानिक स्वरूप देने का प्रावधान भी किया गया है।

इस मामले में सरकार की गंभीरता इस बात से दिखाई देती है कि मेडिकल में दाखिले के लिए नीट यूजी परीक्षा कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए के 47 कर्मचारियों को बरखास्त कर दिया गया है। सरकार एनटीए का भी पुनर्गठन करने वाली है ताकि परीक्षा की प्रक्रिया को किसी भी तरह की लीक और गड़बड़ी से सुरक्षित किया जा सके। चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वंय इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं इसलिए युवाओं को और उनके अभिभावकों को भी भरोसा बना है। उनको लग रहा है कि सरकार परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। ध्यान रहे पहले ही इस बात की घोषणा हो चुकी है कि अगले साल नीट यूजी की परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी। इससे भी छात्रों और युवाओं को भरोसा बना है।

दूसरी ओर अगर विपक्षी पार्टियों का रवैया देखें तो वह बहुत निराशाजनक दिखेगा। उनकी तरफ से किसी तरह का रचनात्मक सुझाव सरकार के सामने नहीं प्रस्तुत किया जा रहा है। उनकी ओर से सिर्फ शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है। जिस समय जंतर मंतर पर प्रदर्शन शुरू हुआ उस समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेश में थे। वहां से लौटने के बाद उन्होंने इंतजार किया कि संसद का सत्र शुरू हो और मीडिया का अटेंशन बने तो वे आंदोलन शुरू करें। छात्रों व युवाओं के संसद मार्च से जो माहौल बना उसका लाभ लेने के लिए वे अपनी पार्टी के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शन करने पहुंच गए। असल में उनको यह असुरक्षा बोध घेरे हुए था कि कहीं जंतर मंतर के प्रदर्शन को ज्यादा लोगों का समर्थन न मिल जाए या उसमें शामिल लोग विपक्ष की जगह न ले लें। इसलिए उन्होंने आनन फानन में प्रदर्शन किया और संसद की कार्यवाही पूरी तरह से ठप्प की।

सवाल है कि क्या देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पास पेपर लीक की घटना का विरोध करने का नैतिक आधार है? अकेले राजस्थान में 2018 से 2023 के कांग्रेस राज में 19 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए और कांग्रेस की सरकार ने किसी की भी जवाबदेही तय नहीं की। कांग्रेस शासित दूसरे राज्यों में भी अनेक परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। उसे रोकने या उसमें शामिल लोगों को सजा दिलाने में विफल रही कांग्रेस नीट यूजी के पेपर लीक के हवाले केंद्र सरकार पर हमलावर हो रही है। वास्तविकता यह है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड इस मामले में कांग्रेस की केंद्र और राज्यों की सरकारों के मुकाबले बहुत बेहतर है। कांग्रेस को ध्यान रखना चाहिए कि 2014 में एनडीए की सरकार बनने से पहले के सात साल में यूपीए के शासन में 71 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे। असल में मौजूदा सरकार पिछली सरकार से जो गड़बड़ियां विरासत में मिली हैं उसे ठीक करने का काम कर रही है। इस काम में सरकार का सहयोग करने की बजाय विपक्ष इसमें अड़ंगा लगा रहा है।

विपक्ष के साथ एक संकट यह भी है कि उसकी पार्टियों में आपस में ही तालमेल नहीं है। हर पार्टी अपने हिसाब से राजनीति करने में लगी है। आम आदमी पार्टी को चूंकि अगले साल के चुनाव में पंजाब और गोवा में कांग्रेस के खिलाफ लड़ना है इसलिए वह कांग्रेस की पोल खोल रही है। दूसरी विपक्षी पार्टियां चाहे वह समाजवादी पार्टी हो या शरद पवार की एनसीपी हो या उद्धव ठाकरे की शिव सेना, इनका सारा समय संतुलन बनाने में जा रहा है। ये कांग्रेस के साथ भी दिख रहे हैं और जंतर मंतर पर आम आदमी पार्टी के समर्थन से चल रहे आंदोलन में भी दिख रहे हैं। सवाल है कि ऐसा विपक्ष कैसे युवाओं में भरोसा पैदा कर पाएगा कि वह उनके हित में काम कर रहा है?

युवाओं को विपक्ष की राजनीति और उसके ट्रैक रिकॉर्ड की जानकारी है। इसलिए उनका भरोसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर है। उनको पता है कि कांग्रेस ने जंतर मंतर के आंदोलन और सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल से बने माहौल को पटरी से उतारने का प्रयास किया। उनको यह भी पता है कि कांग्रेस जो कुछ भी कर रही है उसका मकसद सिर्फ राजनीतिक लाभ लेना है। इसलिए ‘जेन जी’ के युवा अगर पेपर लीक से नाराज भी हुए तो उन्होंने कांग्रेस या किसी दूसरी विपक्षी पार्टी का समर्थन नहीं किया। वे कांग्रेस के किसी आंदोलन का हिस्सा नहीं बने। उन्होंने अपनी चिंताएं बता दीं और अब उनको भरोसा है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार उन चिंताओं को स्थायी समाधान के लिए काम कर रही है। युवाओं का अपने प्रधानमंत्री पर जो भरोसा है उसका असर आने वाले दिनों में दिखाई देगा, जब छात्र का प्रदर्शन पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा और सरकार लीकप्रूफ परीक्षा की व्यवस्था बनवा देगी।

पूरी लीला ही पैसे से आयोजित-प्रायोजित

हरिशंकर व्यास

हां हिंदू राष्ट को सोनम वांगचुक या जीडी अग्रवाल जैसे ‘कॉकरोचों’ से नहीं, बल्कि अडानी, अंबानी, चढ़ावा चोरों और ट्रंप जैसे लोगों से मतलब है। इन्हीं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चिंता है, क्योंकि पूरी लीला ही पैसे से आयोजित-प्रायोजित है। आखिर कलियुग में भगवान तप से नहीं, मार्केटिंग से पैदा होते हैं और आस्था के नाम पर भीड़ को ठगना परमोधर्म है।

पिछले बारह वर्षों में क्या हुआ है? चाहे ‘श्वेत (काली की जगह) अर्थव्यवस्था’ का समय हो, ‘गंगा शववाहिनी’ का दौर, ‘अमृतकाल’ का आख्यान या ‘विकसित भारत’ के नारे- हर चरण में सबसे बड़ा निवेश मार्केटिंग पर हुआ। मार्केटिंग ने ही वह वातावरण, वह लेन-देन बनाया, जिसमें अडानी-अंबानी नए जगतसेठ बनकर उभरे। दूसरी और डोनाल्ड ट्रंप से लेकर शी जिनफिंग, पुतिन सभी के लिए भारत विशाल बाजार बना। पैसे की भूख, पैसे के जलवे, पैसे की माया का सीधा असर भक्तों पर भी पड़ा। इनके मन में यह विश्वास बैठाया गया कि भारत अभूतपूर्व गति से दौड़ रहा है, दुनिया भारत की ताकत स्वीकार कर रही है, मुक्त व्यापार समझौते हो रहे हैं और विश्व भारत के सामने नतमस्तक है। सच्चाई है कि जब अडानी दुनिया के बड़े खरबपतियों में शामिल हुए तो भक्तों ने इसे भी हिंदुओं की आन-बान-शान माना। बाद में जब इस चमक की परतें उखड़ीं, तब भी शेयर बाजार के खेल ने करोड़ों मध्यवर्गीय युवाओं को अपनी किस्मत आजमाने के सपने में बांधे रखा। इससे किसका कितना नुकसान हुआ, यह अलग प्रश्न है। लेकिन लाभार्थियों के खातों में सरकारी धन पहुंचाने से लेकर शेयर बाजार में करोड़ों युवाओं की सट्टेबाजी तक, एक ऐसा सम्मोहन रचा गया जिसमें भक्ति पुख्ता होती गई। मंदिरों में चढ़ावा बढ़ता है वही उसी चढ़ावे से हिंदू राष्ट की दुकानों में भी चौतरफा रौनक है। सचमुच कलियुगी हिंदू राष्ट की स्थिरता की कई वजहों में एक कारण मंदिर, चढ़ावा, कृपा, पैसा, क्रोनीवाद और मार्केटिंग का वह मायाजाल है, जिसकी गहराई तभी समझ में आएगी जब लुटियंस दिल्ली के नए ‘सेवा तीर्थ’ की परतों को कोई उधेड़े। लुटियन का नया इकोसिस्टम केवल जवाबदेही-विहीन नहीं है, बल्कि संस्थागत लूट की वह ऐतिहासिक व्यवस्था है कि यदि दिल्ली को लूटने वाले नादिरशाह या मुगल बादशाह भी उसे देखें तो शर्मिंदा हो जाएं। उन्होंने दिल्ली को लूट का मात्र चरागाह माना था, जबकि अब वह लूट का तीर्थ है। लेकिन मजाल जो कोई गंभीर सवाल उठे या दास्तान बाहर आए।

उस नाते राम मंदिर से जुड़े विवाद या चंपत राय एंड पार्टी के प्रसंग बहुत छोटे हैं। वे तो केवल राजनीतिक हिसाब-किताब का हिस्सा हैं। असली खेल खरबपति क्रोनी पूंजीपतियों का है और ट्रंप, शी जिनफिंग, पुतिन जैसे उन वैश्विक नेताओं का है, जिन्होंने आर्थिक-सामरिक रिश्तों में भारत को सौ टका पराश्रित देश बना डाला है। पर-निर्भरता, लाचारी और गुलामी का एक नया वैश्विक मॉडल।

जीवन दर्शन

जीवन की सार्थकता

जीवन एक ऐसी यात्रा है, जिसमें हर दिन हमें कुछ नया सिखाता है। कभी रास्ते आसान होते हैं तो कभी कठिनाइयों से भरे, लेकिन यही उतार-चढ़ाव हमारे व्यक्तित्व को मजबूत बनाते हैं। सफलता मिलने पर विनम्र रहना और असफलता के समय धैर्य बनाए रखना ही जीवन की सबसे बड़ी कला है। मनुष्य को अपने जीवन की तुलना दूसरों से करने के बजाय अपने कल को आज से बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए। समय जीवन की सबसे मूल्यवान संपत्ति है, क्योंकि बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। इसलिए हमें हर पल का सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में धन, पद और प्रतिष्ठा महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन सच्ची खुशी प्रेम, संतोष और अच्छे कर्मों से मिलती है। दूसरों के दुख को समझना, जरूरतमंद की सहायता करना और अपने व्यवहार से किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना ही जीवन की वास्तविक सार्थकता है। याद रखिए, परिस्थितियां हमेशा हमारे अनुकूल नहीं होतीं, लेकिन परिस्थितियों का सामना करने का हमारा दृष्टिकोण हमारे हाथ में होता है। सकारात्मक सोच, मेहनत और विश्वास के साथ आगे बढ़ने वाला व्यक्ति कठिन से कठिन रास्ते को भी सफलता की मंजिल में बदल सकता है।

जीवन के पन्ने पलटने प्रेरित करती ‘जब खुली किताब’

पंकज दुबे

पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है।.. डिंपल कपाड़िया का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फ़िल्म की आत्मा बन जाते हैं।

सिने-सोहबत

मौजूदा दौर में जब अधिकांश हिंदी फिल्में तेज़ रफ्तार मनोरंजन, एक्शन और सतही रोमांस के ईर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती हैं, ऐसे में कुछ फ़िल्में ऐसी भी आती हैं, जो दर्शकों को ठहर कर सोचने पर मजबूर करती हैं। लेखक-निर्देशक सौरभ शुक्ला की फ़िल्म ÷जब खुली किताब÷ ऐसी ही एक संवेदनशील और आत्ममंथन कराने वाली फिल्म है। यह फ़िल्म किसी बड़े नाटकीय घटनाक्रम या बाहरी शोर-शराबे पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले संवादों, रिश्तों के अनकहे दर्द और समय की परतों में दबे सच को धीरे-धीरे खोलती है, बिलकुल एक पुरानी किताब की तरह, जो वर्षों बाद खुलने पर अपनी महक और स्मृतियों से हमें भर देती है। फ़िल्म का शीर्षक ही अपने आप में एक रूपक है, किताब, जो खुलने पर सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि जीवन के छिपे अध्याय सामने ले आती है। सौरभ शुक्ला ने इस विचार को बेहद सूक्ष्म और संवेदनशील तरीके से पर्दे पर उतारा है। फ़िल्म की कहानी मूलतः कुछ ऐसे लोगों के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिनके जीवन में कई अनकहे सच और अधूरे संवाद छिपे हुए हैं। उम्र के एक ऐसे पड़ाव पर पहुंचकर, जब इंसान पीछे मुड़ कर अपने जीवन को देखने लगता है, तब उन्हें अहसास होता है कि कई बातें कहे बिना रह गईं, कई रिश्ते समझे बिना ही टूट गए और कई फैसलों की वजहें कभी खुलकर सामने नहीं आईं। पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है। एक ऐसी चुप्पी, जो केवल शब्दों की कमी नहीं, बल्कि भावनाओं का बोझ है। समय के साथ जब परिस्थितियां बदलती हैं और लोग आमने-सामने बैठ कर अपने जीवन के पन्ने पलटते हैं, तब यह चुप्पी धीरे-धीरे खुलने लगती है। डिंपल कपाड़िया का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके चेहरे पर समय की परिपक्वता और जीवन के अनुभवों की झलक दिखाई देती है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फ़िल्म की आत्मा बन जाते हैं।

फ़िल्म में अपारशक्ति खुराना और समीर सोनी जैसे कलाकार भी हैं, जो नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की खाई को दर्शाते हैं। यह पीढ़ियों के बीच का वह अंतर है जहां एक तरफ अनुभवों की विरासत है और दूसरी तरफ बदलते समय की बेचैनी। सौरभ शुक्ला के निर्देशन में सादगी में गहराई साफ़ दिखती है। सौरभ हिंदी सिनेमा में एक ऐसे कलाकार हैं, जिनकी पहचान बहुआयामी है। वे अभिनेता भी हैं, लेखक भी और निर्देशक भी। ‘जब खुली किताब’ में उनका लेखक और निर्देशक दोनों रूप बेहद परिपक्व दिखाई देता है। उन्होंने इस फ़िल्म को किसी बड़े सिनेमाई तमाशे की तरह नहीं रचा, बल्कि एक अंतरंग नाटक की तरह गढ़ा है। फ़िल्म का ट्रीटमेंट बेहद संयमित है। संवादों में शोर नहीं है, बल्कि एक गहरी संवेदना है। कई जगहों पर सौरभ शुक्ला संवादों की बजाय मौन का इस्तेमाल करते हैं और यही मौन दर्शक को पात्रों के मन के भीतर झांकने का मौका देता है।

दरअसल, पहले ‘जब खुली किताब’ एक नाटक के रूप में बनाया गया गया था, जिसमे मुख्य भूमिका में भी सौरभ ने खुद ही काम किया था। यह फ़िल्म हमें याद दिलाती है कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को समझने का भी एक जरिया हो सकता है। इस फ़िल्म की एक बड़ी ताकत इसके कलाकार हैं। पंकज कपूर हिंदी सिनेमा और रंगमंच के उन दुर्लभ अभिनेताओं में से हैं, जो चरित्र को जीवित कर देते हैं। इस फ़िल्म में उनका अभिनय अत्यंत सूक्ष्म और प्रभावशाली है। वे अपने चेहरे के भाव, आंखों की नमी और आवाज़ के उतार-चढ़ाव से एक ऐसे व्यक्ति की मनःस्थिति को दर्शाते हैं, जो वर्षों से अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जी रहा है। डिंपल कपाड़िया का अभिनय भी बेहद प्रभावशाली है। उन्होंने अपने किरदार में गरिमा और संवेदनशीलता का सुंदर संतुलन बनाया है। उनके संवादों में एक गहराई है और कई बार उनका मौन ही सबसे अधिक बोलता है। अपारशक्ति खुराना इस फ़िल्म में एक अलग रंग लेकर आते हैं। वे आज की पीढ़ी की बेचैनी, सवाल और व्यावहारिकता को बखूबी प्रस्तुत करते हैं। उनके अभिनय में सहजता है और वे फिल्म के भावनात्मक प्रवाह को संतुलित करते हैं। समीर सोनी भी अपने सीमित लेकिन महत्वपूर्ण किरदार में प्रभाव छोड़ते हैं। उनका अभिनय कहानी के कई भावनात्मक आयामों को उजागर करता है। फ़िल्म के संवाद में कसावट है। सौरभ शुक्ला ने संवादों को साहित्यिक होने के बावजूद बेहद स्वाभाविक रखा है। कई संवाद ऐसे हैं, जो सीधे दर्शकों के दिल तक पहुंचते हैं। उदाहरण के तौर पर फिल्म यह सवाल उठाती है कि क्या हम सच में अपने प्रियजनों को समझ पाते हैं, या हम केवल उनके बारे में अपनी धारणाएं बना कर जीते रहते हैं? फ़िल्म बार-बार यह अहसास कराती है कि जीवन में सबसे कठिन काम सच बोलना नहीं, बल्कि सच स्वीकार करना होता है। संगीत और बैकग्राउंड स्कोर कहानी के भावनात्मक स्वर को मजबूत करता है। संगीत कहीं भी कहानी पर हावी नहीं होता, बल्कि एक हल्की-सी धुन की तरह साथ चलता है।

सिनेमैटोग्राफी भी बेहद सादगीपूर्ण लेकिन प्रभावी है। कैमरा कई बार पात्रों के चेहरे पर ठहर जाता है, जैसे वह उनकी आत्मा को पढ़ने की कोशिश कर रहा हो। फ़िल्म का संपादन भी संतुलित है। कहानी धीरे-धीरे आगे बढ़ती है, लेकिन कहीं भी बोझिल नहीं लगती। ‘जब खुली किताब’ केवल एक कहानी नहीं है, बल्कि यह रिश्तों पर एक दार्शनिक टिप्पणी भी है। फ़िल्म यह सवाल उठाती है कि क्या हम अपने जीवन को सचमुच समझ पाते हैं?

प्रदेश में खेती-किसानी का काम तेज़ी के साथ जारी

किसानों को 9.95 लाख मीट्रिक टन खाद और 4.38 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

छत्तीसगढ़ में खेती किसानी का कार्य तेज़ी के साथ जारी हैं। राज्य में 28 जुलाई की स्थिति में राज्य के 39.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्रों में लक्ष्य का 80 प्रतिशत बोनी हो चुकी है। इस खरीफ सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश - किसानों को सुगमता से मिले खाद-बीज : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहुलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए हैं। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने को कहा हैं। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सोसायटियों में पर्याप्त खाद-बीज का भण्डारण कर सतत निगरानी करने को कहा है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

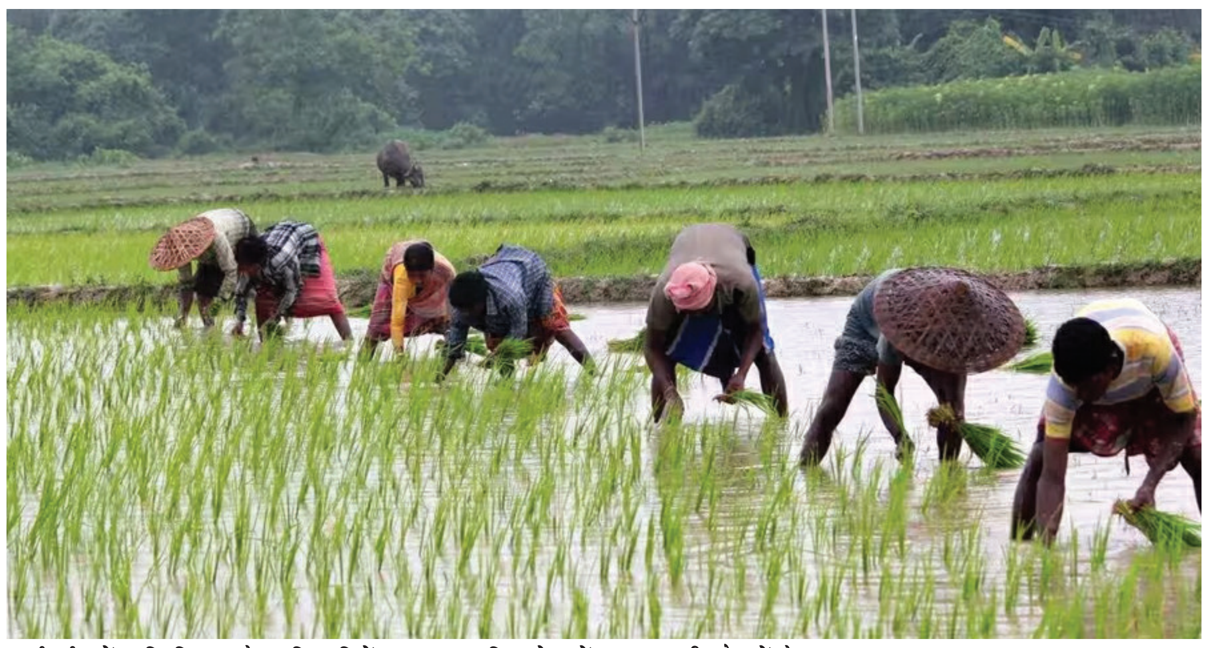

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के किसानों को अब तक 9.95 लाख मीट्रिक टन खाद और 4.38 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून की बौछारों के साथ शुरू हुए खेती- किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है।

लक्ष्य का 80 प्रतिशत क्षेत्रों में बोनी पूर्ण : राज्य में अब तक 39.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों जैसे धान, मक्का, कोदो, कुटकी, अरहर, मूंग, मूंगफली, रामतिल आदि की बोनी हो चुकी है, जो लक्ष्य का 80 प्रतिशत है। इस खरीफ सीजन में राज्य सरकार ने 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य रखा है। अधिकारियों ने बताया कि 28 जुलाई सुबह तक की स्थिति में प्रदेश में अब तक 447.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 1246.3 मिमी है।

किसानों को 4.38 लाख क्विंटल बीज वितरित : अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष खरीफ 2026 के लिए बीज निगम द्वारा प्रदेश में 4.95 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरूद्ध 4.75 लाख क्विंटल बीज का भंडारण कर अब तक 4.38 लाख क्विंटल बीज का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो मांग का 88 प्रतिशत है। गत वर्ष इसी अवधि में 4.31 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया गया था।

14.95 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण : प्रदेश में इस खरीफ सीजन में 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त लक्ष्य के विरूद्ध 14.95 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में भंडारण किया गया है। उक्त भंडारण के विरूद्ध 9.95 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 64 प्रतिशत है।

जरूरतमंद किसानों को 6931.51 करोड़ रूपये का नि:शुल्क अल्पकालीन कृषि ऋण : अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार किसानों को खेती-किसानी में सहूलियते हो इस उद्देश्य से किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से अल्प कालीन कृषि ऋण उपलब्ध करा रहे है। चालू खरीफ सीजन 2026 के लिए 27 जुलाई की स्थिति में 6931.51 करोड़ रूपए का ऋण वितरण किया है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 5691.72 करोड़ रूपए का ऋण वितरण किया गया था। इस वर्ष किसानों को 8800 करोड़ रूपए ऋण वितरण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

न्यूज आस-पास...

ई-रिक्शा से 1.74 लाख की चोरी, 8 घंटे में पकड़ाया

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

राजधानी रायपुर में ई-रिक्शा से 1.74 लाख रूपए की चोरी के मामले में पुलिस ने महज 8 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से चोरी की रकम में से 1 लाख नकद बरामद कर लिया गया है। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी वर्ष 2025 में माना थाना क्षेत्र में 2.70 लाख रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार चल रहा था। अब उस मामले में भी उसकी गिरफ्तारी की जाएगी।

यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (उत्तर) दीपमाला कश्यप के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा गुढियारी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की।

पुलिस के मुताबिक, गुढियारी निवासी ब्रजेश साव 25 जुलाई को अपनी ई-रिक्शा से किराना सामान खरीदने गुढियारी पड़ाव पहुंचे थे। उनके पास 2 लाख रुपए नकद थे। खरीदारी के दौरान उन्होंने करीब 26 हजार रुपए का सामान खरीदा और शेष 1.74 लाख रुपए एक सफेद रंग के चेन वाले बैग में रखकर ई-रिक्शा के डैशबोर्ड में छोड़ दिया। भुगतान करने पहुंचे तो बैग गायब मिला। शिकायत पर गुढियारी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने ज्ञानेश्वरी यादव को दी बधाई

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने ग्लासगो में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव को बधाई दी है। राजनांदगांव की वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 53 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 199 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक जीता है। उप मुख्यमंत्री साव ने ज्ञानेश्वरी को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीत कर भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी का नाम रोशन किया है। उनकी शानदार सफलता से राज्य के खिलाड़ी प्रेरणा लेंगे और आगे बढ़ेंगे।

41 जगहों पर एक साथ नाकेबंदी, 5 हजार से ज्यादा वाहनों की जांच

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

अपराधों पर लगाम लगाने और संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने सोमवार रात शहर में बड़े स्तर पर विशेष नाकेबंदी और सघन चेकिंग अभियान चलाया। मध्य, उत्तर और पश्चिम जोन के 41 चिन्हित स्थानों पर रात 8 बजे से 11:30 बजे तक एक साथ चले अभियान में पुलिस ने 5 हजार से अधिक वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश पर चलाए गए अभियान के दौरान बिना नंबर, फैंसी और नियम विरुद्ध नंबर प्लेट वाले वाहनों के साथ संदिग्ध वाहनों की भी जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ई-चालान की कार्रवाई की गई, जबकि वाहनों पर लगी नियम विरुद्ध ब्लैक फिल्म मौके पर हटवाई गई। अभियान के दौरान पुलिस को उस समय बड़ी सफलता मिली, जब गोलबाजार थाना क्षेत्र के शास्त्री मार्केट से चोरी हुई हीरो होंडा प्लेजर को नाकेबंदी के दौरान बरामद कर लिया गया। वाहन चोरी की सूचना मिलते ही गोलबाजार पुलिस ने वायरलेस के जरिए सभी थाना क्षेत्रों, नाकेबंदी प्वाइंट और पेट्रोलिंग टीमों को वाहन का विवरण प्रसारित किया था।

भारतीय सेना में बस्तर रेजिमेंट की स्थापना की संभावना हुई प्रबल

रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा, हम पूरी कोशिश करेंगे

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

छत्तीसगढ़ के लिए बड़ी सौगात की बात है कि अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इंडियन आर्मी में बस्तर रेजिमेंट बनेगा। ये छत्तीसगढ़ के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। इसे लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चिट्ठी भेज कर भरोसा दिया है। भारतीय सेना में बस्तर रेजिमेंट की स्थापना को लेकर गृह मंत्री विजय शर्मा ने राजनाथ सिंह से अनुरोध किया था.

रक्षा मंत्री को भेजे पत्र में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने लिखा छत्तीसगढ़ राज्य के आदिवासी बाहुल्य बस्तर संभाग के जवान विगत वर्षों में नक्सल विरोधी अभियानों में अपनी वीरता एवं अदम्य साहस का परिचय दे चुके हैं। ये दुर्गम क्षेत्रों की विषम परिस्थितियों में भी गुरिल्ला युद्ध में अभ्यस्त है। भारतीय सेना में बस्तर रेजिमेंट का गठन राष्ट्रीय सुरक्षा, विकास और सामाजिक स्थिरता में योगदान देने वाली एक रणनीतिक पहल होगी। यह बस्तर के युवाओं को राष्ट्र की सेवा करने के लिए एक सुनियोजित मार्ग प्रदान करेगी, साथ ही क्षेत्र में गौरव, अनुशासन और आर्थिक प्रगति को भी बढ़ावा देगी। अतः भारतीय सेना में बस्तर रेजिमेंट की स्थापना किये जाने का अनुरोध है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा भारतीय सेना में बस्तर रेजिमेंट की स्थापना के संबंध में पत्र मिला है। मामले में जांच कार्रवाई की जा रही है। निश्चित तौर पर बस्तर को लेकर सकारात्मक पहल होगी और हम बस्तर रेजीमेंट की स्थापना के लिए पूरी कोशिश करेंगे।

विष्णुदेव साय ने भोरमदेव धाम में की पूजा-अर्चना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज सपत्नीक श्रीमती कौशल्या साय के साथ विश्वप्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक भोरमदेव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा मंदिर की परिक्रमा कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और जनकल्याण की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री पंच दिवसीय महा चतुर शुद्धि सहस्त्र कलशम् महाअनुष्ठान में भी सम्मिलित हुए और धार्मिक अनुष्ठानों में सामाजिक सद्भाव और लोकमंगल की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भोरमदेव समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का गौरवशाली प्रतीक है। महाअनुष्ठान हमारी प्राचीन वैदिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सद्भाव और लोककल्याण की भावना को भी सशक्त बनाते हैं।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा निजी होटल में छत्तीसगढ़ में पहली बार हो रहे स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया।

कैशलेस चिकित्सा योजना में पेंशनरों को भी लेने की मांग

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए प्रस्तावित कैशलेस चिकित्सा योजना में पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को भी शामिल करने की मांग उठी है। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, छत्तीसगढ़ ने योजना को कर्मचारियों के साथ-साथ राज्य के लाखों पेंशनरों के लिए भी लागू करने की मांग की है। महासंघ के प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र नामदेव ने बताया कि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से 29 जुलाई को सुबह 11:30 बजे स्वास्थ्य सचिव की अध्यक्षता में कर्मचारी संगठनों के साथ कैशलेस चिकित्सा योजना को लेकर बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में योजना को लेकर सुझाव लिए जाएंगे।

महासंघ का कहना है कि 10 जुलाई को मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन को ज्ञापन सौंपकर पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को भी इस योजना में शामिल करने की मांग की गई थी। महासंघ के मुताबिक, इस दौरान मुख्य सचिव ने पेंशनरों को योजना में शामिल किए जाने पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया था।

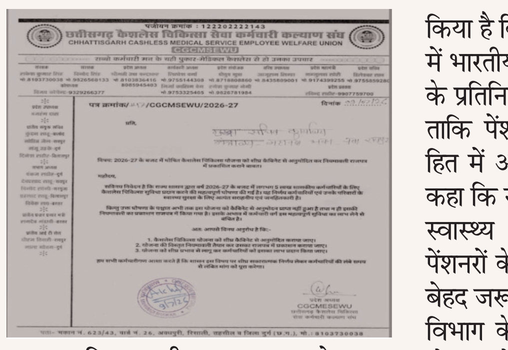
छत्तीसगढ़ कैशलेस चिकित्सा सेवा कर्मचारी कल्याण संघ
CHHATTISGARH CASHLESS MEDICAL SERVICE EMPLOYEE WELFARE UNION
CGCMSEWU

वीरेंद्र नामदेव ने मुख्य सचिव से आग्रह किया है कि 29 जुलाई को होने वाली बैठक में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए, ताकि पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों के हित में अपने सुझाव रखे जा सकें। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को देखते हुए पेंशनरों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा बेहद जरूरी है। महासंघ की ओर से स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया से भी योजना में पेंशनरों को शामिल करने और महासंघ को सुझाव देने का अवसर प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। प्रदेश महामंत्री ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार कर्मचारी हितों के साथ पेंशनरों के हितों को भी ध्यान में रखते हुए कैशलेस चिकित्सा योजना में पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनरों को शामिल करने का निर्णय लेगी।

नवरंग काव्य मंच ने किया काव्य संध्या का आयोजन

रायपुर। स्थानीय साहित्यिक संस्था नवरंग काव्य मंच द्वारा कल रविवार 26 जुलाई को यहाँ सिविल लाइंस के वृंदावन सभागार में काव्य संध्या का आयोजन किया गया। कवि राजेश जैन राही ने अपनी एकल काव्य प्रस्तुति राहगीरी से सबका मन मोह लिया। उन्होंने जीवन का सफ़र, कविताओं के साथ बहुत ही दिलकश अंदाज में प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति में गीत, दोहा, मुक्तक हास्य कविता, ग़ज़ल, भक्ति गीत सभी का समावेश था। काव्य संध्या का शुभारंभ नवोदित कवियों के काव्य पाठ से हुआ। छत्तीसगढ़ राजगीत का सुरमय गायन प्रज्ञा परगनिहा ने और मंच संचालन कवयित्री प्रियंका उपाध्याय ने किया। वरिष्ठ साहित्यकार गिरीश पंकज मुख्यअतिथि थे।

रायपुर में 70 लाख की चोरी का 12 घंटे में खुलासा

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र स्थित अशोका आईकन में कारोबारी के घर हुई करीब 70 लाख रुपये की चोरी का पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। मामले में घरेलू रसोइया महेन्द्र कुमार यादव और उसके साथी पिंटू यादव उर्फ अभिषेक यादव को नागपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से 51.50 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरात, गिन्नी, सिक्के, पेन ड्राइव और महत्वपूर्ण दस्तावेज समेत पूरी चोरी की संपत्ति बरामद कर ली गई है।पुलिस के अनुसार, कारोबारी पंकज अग्रवाल 26 जुलाई को परिवार के साथ नया रायपुर गए थे। घर में उनका घरेलू रसोइया महेन्द्र यादव मौजूद था। शाम को लौटने पर घर का पिछला दरवाजा खुला मिला और अलमारी व लॉकर से नगदी, जेवरात और अन्य कीमती सामान गायब था।

जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें महेन्द्र यादव बैग लेकर घर से निकलता दिखाई दिया। उसके साथ एक अन्य युवक भी था। तकनीकी जांच में पता चला कि दोनों रायपुर रेलवे स्टेशन से समता एक्सप्रेस में सवार होकर नागपुर भाग गए हैं।

जोताई करते करंट की चपेट में आया किसान

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में खेत की जोताई कर रहे किसान की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बैगा टोला निवासी 43 वर्षीय महेश वर्मा के रूप में हुई है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।जानकारी के मुताबिक, महेश वर्मा मंगलवार को अपने खेत में जोताई का काम कर रहे थे। इसी दौरान खेत में बोरवेल के लिए बिछाई गई बिजली लाइन के संपर्क में आने से उन्हें तेज करंट लग गया। करंट की चपेट में आने के बाद वह गंभीर रूप से झुलसकर खेत में गिर पड़े।हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए खैरागढ़ सिविल अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।किसान की मौत की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। परिवार में मातम पसरा हुआ है, वहीं घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह बोरवेल के लिए बिछाई गई बिजली लाइन के संपर्क में आना बताया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

रायपुर मेकाहारा अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में लगी आग

मरीजों को सुरक्षित निकाला गया

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

राजधानी रायपुर के जेल रोड स्थित भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) के इमरजेंसी (केजुअल्टी) वार्ड में मंगलवार दोपहर अचानक आग लगने से अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां और पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। जानकारी के अनुसार, आग लगने के बाद इमरजेंसी वार्ड में धुआं भर गया, जिससे मरीजों और अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप मच गया। राहत की बात यह रही कि समय रहते सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

घटना की सूचना पर मोदहापारा पुलिस भी मौके पर पहुंची। ब्लोअर की मदद से वार्ड में भरे धुएं को बाहर निकाला जा रहा है। प्रारंभिक आशंका है कि एसी या किसी मॉनिटर में ब्लास्ट होने के बाद आग लगी हो सकती है। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है और अस्पताल प्रशासन के साथ मिलकर पूरे मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सपत्नीक श्रीमती कौशल्या साय के साथ विश्वप्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक भोरमदेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा मंदिर की परिक्रमा कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और जनकल्याण की मंगलकामना की।

बॉटम न्यूज...

जय सोनी सहित अन्य के खिलाफ झारखंड में एफआईआर दर्ज

रिटायर्ड फौजी से 34.40 लाख की कथित ठगी का मामला

इम्पेक्ट न्यूज. कोरबा

पावर हाउस रोड स्थित न्यू जेके ज्वैलर्स के संचालक जय सोनी एक बार फिर गंभीर आरोपों के चलते चर्चा में हैं। इस बार उन पर एक रिटायर्ड फौजी से टोल प्लाजा में साझेदारी के नाम पर लगभग 34 लाख 40 हजार लेने और बाद में कथित रूप से साझेदारी से अलग कर देने का आरोप लगा है। शिकायत के आधार पर झारखंड के नगड़ी थाना पुलिस ने जय सोनी सहित अन्य आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में एफ़आईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता रिटायर्ड फौजी प्रेमचंद पांडे के अनुसार, जय सोनी और उनके साले जतिन रामवानी ने उनसे संपर्क कर बताया कि झारखंड के नगड़ी थाना क्षेत्र के पास स्थित पटरा चोली टोल प्लाजा का संचालन उनके पास है, लेकिन आर्थिक अभाव के कारण कार्य सुचारु रूप से प्रारंभ नहीं हो पा रहा है। अधिक मुनाफे का भरोसा दिलाकर उन्हें निवेश के लिए तैयार किया गया। शिकायत में कहा गया है कि 26 अगस्त 2025 से अलग-अलग चरणों में नकद एवं बैंक खातों के माध्यम से कुल लगभग 34.40 लाख जय सोनी को दिए गए। इसके बाद 100 के स्टांप पेपर पर एक अनुबंध भी किया गया, जिसके आधार पर प्रेमचंद पांडे ने अपने कर्मचारियों के माध्यम से टोल प्लाजा पर वसूली का कार्य प्रारंभ कराया। शिकायत के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच यह सहमति बनी थी कि फास्टैग से प्राप्त राशि जय सोनी के खाते में जाएगी, जबकि नकद वसूली प्रेमचंद पांडे के पास रहेगी। आरोप है कि जब टोल प्लाजा से अच्छा मुनाफा होने लगा, तब जय सोनी अपने साले जतिन, टोल मैनेजर लवकुश यादव तथा अन्य लोगों के साथ टोल प्लाजा पहुंचे और शिकायतकर्ता के कर्मचारियों को कथित रूप से धमकाकर वहां से भगा दिया तथा टोल पर कब्जा कर लिया। प्रेमचंद पांडे का कहना है कि उनके कर्मचारियों को भविष्य में टोल प्लाजा के आसपास दिखाई देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई। इसके बाद उन्होंने झारखंड के नगड़ी थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में जय सोनी तथा शिकायतकर्ता प्रेमचंद पांडे से संपर्क कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक किसी की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी।

रक्षा मंत्री ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए दो ऐतिहासिक नीतिगत सुधारों की घोषणा की

महिला अधिकारियों को मिलेगा समान अवसर, ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता कर्मियों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने की प्रक्रिया होगी सरल

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के अधिकारियों और कर्मियों के हित में दो महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों का अनावरण किया है। इन सुधारों का उद्देश्य अधिकारियों की भर्ती और सेवा शर्तों में लैंगिक समानता सुनिश्चित करना तथा ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता होने वाले कर्मियों के परिवारों को अनुग्रह राशि एवं अन्य लाभ शीघ्र उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को सरल बनाना है।

नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन-2 में आयोजित कार्यक्रम में रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह, भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि तथा रक्षा मंत्रालय और तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तटरक्षक बल की उपलब्धियों की सराहना : इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने पिछले पांच दशकों में भारतीय तटरक्षक बल द्वारा समुद्री सुरक्षा, खोज एवं बचाव अभियानों, तटीय निगरानी तथा मानवीय सहायता के क्षेत्र में निभाई गई उत्कृष्ट भूमिका की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये दूरदर्शी नीतिगत सुधार बल के मनोबल, कार्यक्षमता और परिचालन क्षमता को और अधिक मजबूत करेंगे, विशेषकर ऐसे समय में जब भारतीय तटरक्षक बल वर्ष 2027 में अपनी स्वर्ण जयंती मनाने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार भारतीय तटरक्षक बल को आधुनिक, सक्षम और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार समुद्री सुरक्षा बल के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भर्ती और पदोन्नति में लागू होगा लैंगिक समानता का सिद्धांत : रक्षा मंत्री द्वारा घोषित पहली नीति भारतीय तटरक्षक बल में अधिकारियों की भर्ती और सेवा शर्तों को पूरी तरह लैंगिक समानता के सिद्धांत पर आधारित बनाती है। इसके तहत महिला अभ्यर्थियों को पुरुष अधिकारियों के समान अल्पकालिक सेवा नियुक्ति (एसएसए) और स्थायी नियुक्ति (पीए) दोनों में अवसर प्रदान किए जाएंगे। वहीं, अल्पकालिक सेवा नियुक्ति का विकल्प अब पुरुष अभ्यर्थियों के लिए भी उपलब्ध होगा।

नई व्यवस्था के अनुसार महिला अधिकारियों को प्रशिक्षण से लेकर पदोन्नति तक समान अवसर मिलेंगे। वर्तमान में कार्यरत महिला स्थायी नियुक्ति अधिकारियों को पात्रता पूरी करने पर उच्च पदों पर पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा। इसके अलावा अल्पकालिक सेवा नियुक्ति पर कार्यरत महिला अधिकारियों को निर्धारित शर्तें पूरी करने पर अपनी सेवा को स्थायी नियुक्ति में परिवर्तित करने का विकल्प भी मिलेगा।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह निर्णय महिलाओं को सशक्त बनाने और देश की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था में समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

लापता कर्मियों के परिवारों को मिलेगी शीघ्र राहत : दूसरा नीतिगत सुधार ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता होने वाले भारतीय तटरक्षक बल के कर्मियों के परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है। नई व्यवस्था के तहत यदि कोई तटरक्षक कर्मी कर्तव्य निभाते समय समुद्र में लापता हो जाता है, तो अनुग्रह राशि और अन्य अंतिम सेवा लाभों के भुगतान के लिए उसे मृत मानने का प्रावधान लागू किया जाएगा।

इस निर्णय से अनुग्रह राशि और अन्य वित्तीय लाभ प्रदान करने की प्रशासनिक प्रक्रिया सरल एवं तेज़ होगी, जिससे शोकग्रस्त परिवारों को लंबे समय तक औपचारिकताओं और प्रशासनिक विलंब का सामना नहीं करना पड़ेगा।

मनोबल और कार्यक्षमता को मिलेगा बल : रक्षा मंत्रालय का मानना है कि दोनों नीतिगत सुधार भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारियों और कर्मियों का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ संगठन को अधिक समावेशी, संवेदनशील और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इन पहलों से न केवल महिला अधिकारियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित होंगे, बल्कि कर्तव्य के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले कर्मियों के परिवारों को भी समय पर सम्मानजनक सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने नई दिल्ली में भारत 6जी एलायंस की प्रगति समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और शैक्षणिक संस्थानों को 5जी लैब एक्सीलेंस अवार्ड्स प्रदान किए।

अजय को रजत पदक जीतने पर दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के 79 किलोग्राम भारोत्तोलन वर्ग में रजत पदक जीतने पर भारतीय भारोत्तोलक वल्लूरी अजय बाबू को हार्दिक बधाई दी है।

उन्होंने इस उपलब्धि को भारतीय खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए खिलाड़ी के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि वल्लूरी अजय बाबू ने स्नैच स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड स्थापित कर अपना नाम इतिहास में दर्ज कराया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सामाजिक माध्यम एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि भारोत्तोलन में भारत को एक और गौरवपूर्ण सफलता मिली है। उन्होंने वल्लूरी अजय बाबू के रजत पदक जीतने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि स्नैच स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड बनाना उनकी असाधारण प्रतिभा और निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

प्रधानमंत्री मोदी ने असम के बाढ़ की स्थिति की समीक्षा

केंद्र सरकार हरसंभव सहायता के लिए असम सरकार के साथ मिलकर कर रही है कार्य - पीएम

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को असम के सांसदों से मुलाकात कर राज्य के विभिन्न हिस्सों में आई बाढ़ की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के उपायों पर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए असम सरकार के साथ समन्वय बनाकर लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि राहत एवं पुनर्वास कार्यों में हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा, ताकि प्रभावित परिवारों को शीघ्र राहत मिल सके।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सामाजिक माध्यम एक्स पर भी अपनी प्रतिक्रिया साझा की। उन्होंने लिखा कि उन्होंने असम के सांसदों से राज्य के विभिन्न भागों में वर्तमान बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की है। उन्होंने दोहराया कि केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की सहायता के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित सभी लोगों की सुरक्षा, कुशलता और शीघ्र सामान्य स्थिति बहाल होने की कामना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार इस चुनौतीपूर्ण समय में असम के लोगों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

बाबा बर्फानी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ बड़ा हादसा, मकान पर गिरी बस

30 श्रद्धालु घायल

एजेंसी न्यूज. गांदरबल

बाबा बर्फानी के दर्शन कर खुशी-खुशी घर लौट रहे श्रद्धालुओं की यात्रा मंगलवार को उस समय भयानक हादसे में बदल गई, जब गांदरबल के गुंड इलाके में उनकी बस एक जानलेवा मोड़ पर अनियंत्रित हो गई। 39 यात्रियों से भरी यह बस सड़क से फिसलते हुए सीधे नीचे बने एक मकान पर जा गिरी, जिससे मौके पर भारी चीख-पुकार मच गई। इस दुर्घटना में करीब 30 श्रद्धालु घायल हो गए हैं, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख जताते हुए प्रशासन को घायलों के बेहतर इलाज के सख्त निर्देश दिए हैं।

हादसे की मुख्य वजह पहाड़ी रास्ते का खतरनाक होना और बस का बेकाबू होना बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बस जैसे ही गनीवान के पास एक संकरे रास्ते से गुजर रही थी, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सड़क से नीचे फिसलकर सीधे एक रिहायशी मकान पर जा गिरी। दुर्घटना की तेज आवाज सुनते ही स्थानीय लोग सबसे पहले मदद के लिए दौड़े। इसके तुरंत बाद पुलिस, आईटीबीपी , सीआरपीएफ और भारतीय सेना की संयुक्त टीमों ने तेजी से राहत और बचाव अभियान चलाते हुए बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

गुजरात के अहमदाबाद के दरियापुर इलाके में रात भर हुई भारी बारिश के बाद एक घर ढह गया, जिसके बाद वहां मलबा पड़ा हुआ है। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

परभणी-मुदखेड़ रेलखंड पर ट्रैक्शन प्रणाली के उन्नयन को मिली मंजूरी

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

भारतीय रेल ने रेल अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने और नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड मंडल के परभणीङ्कमुदखेड़ दोहरी रेल लाइन खंड पर विद्युत कर्षण (ट्रैक्शन) प्रणाली के उन्नयन की परियोजना को मंजूरी दे दी है। 163 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में विद्युत आपूर्ति अवसंरचना के आधुनिकीकरण का कार्य भी शामिल है।

परियोजना के तहत 164 ट्रैक किलोमीटर लंबे रेलखंड पर वर्तमान 1म25 केवी विद्युत कर्षण प्रणाली को अत्याधुनिक 2म25 केवी प्रणाली में परिवर्तित किया जाएगा। इसके साथ ही बढ़े हुए विद्युत भार को सुचारु रूप से संभालने के लिए आधुनिक विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी विकसित की जाएगी। परभणीङ्कमुदखेड़ रेलखंड रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण उच्च उपयोगिता नेटवर्क रूट-9 का हिस्सा है। यह रेलमार्ग अजमेर, इंदौर, खंडवा, अकोला, पूर्णा, मुदखेड़, सिकंदराबाद, महबूबनगर और धोन जैसे प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ता है, जिससे यात्री एवं माल परिवहन दोनों के लिए इसकी अहम भूमिका है।

भारतीय रेल के अनुसार नई 2म25 केवी ट्रैक्शन प्रणाली लागू होने से रेलखंड पर विद्युत आपूर्ति अधिक मजबूत और विश्वसनीय होगी। इससे मालगाड़ियों की परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी तथा वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी उच्च गति की ट्रेनों के संचालन को बेहतर तकनीकी समर्थन मिलेगा। इसके परिणामस्वरूप रेल सेवाओं की गति, दक्षता और समयबद्धता में भी सुधार आने की संभावना है। यह परियोजना भारतीय रेल के वर्ष 2029-30 तक 3,000 मिलियन टन माल ढुलाई के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में भी सहायक सिद्ध होगी। भारतीय रेल ने कहा कि यह परियोजना देश के उच्च घनत्व वाले रेल गलियारों में विद्युत अवसंरचना के आधुनिकीकरण, परिचालन दक्षता बढ़ाने और भविष्य की परिवहन आवश्यकता के अनुरूप रेल नेटवर्क को तैयार करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इस पहल से रेल सेवाएं अधिक विश्वसनीय, ऊर्जा दक्ष और भविष्य की बढ़ती परिवहन मांगों के अनुरूप बन सकेंगी।

पीएम मोदी का वीडियो फेसबुक से हटने पर मेटा ने मांगी माफी, कहा- गलती से हुई चूक

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो को फेसबुक से कुछ समय के लिए हटाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि, मेटा ने इस घटना पर माफी मांग ली है और कंपनी के प्रवक्ता ने वीडियो हटने की वजह तकनीकी गड़बड़ी को बताया है।

सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से देख रही है और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा और इंस्टाग्राम के ग्लोबल हेड को समन किया है।

सरकार इस बात की जांच करना चाहती है कि आखिर किस वजह से प्रधानमंत्री के आधिकारिक वीडियो तक लोगों की पहुंच अचानक रोक दी गई। सरकार का मानना है कि इस तरह की घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा जाएगा।

यह मामला 28 जुलाई की तड़के सामने आया, जब मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक पर भारतीय यूजर्स कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो नहीं देख पाए। वीडियो खोलने की कोशिश करने पर यूजर्स को एक स्वचालित संदेश दिखाई दिया, जिसमें लिखा था कि कानूनी अनुरोध के कारण भारत में इस वीडियो की पहुंच सीमित कर दी गई है। इससे सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

हालांकि, बाद में मेटा ने इस घटना पर खेद जताते हुए कहा कि यह किसी कानूनी कार्रवाई का परिणाम नहीं था, बल्कि एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण ऐसा हुआ। कंपनी ने माफी मांगते हुए स्थिति को जल्द सामान्य कर दिया।

गौरतलब है कि यह वीडियो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेल्फी फॉर्मेट में रिकॉर्ड किया गया संदेश था, जिसमें उन्होंने पेपर लीक विवाद और इस मुद्दे पर होने वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की आगामी कार्रवाई को लेकर खासतौर पर देश के जेन-जी युवाओं को संबोधित किया था।

मोदी ने कांस्य पदक विजेता बिंद्या रानी देवी सोरोखाइबम को दी बधाई

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 की महिलाओं की 58 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय भारोत्तोलक बिंद्यारानी देवी सोरोखाइबम को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने उनकी उपलब्धि को भारतीय खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि यह सफलता उनके अथक परिश्रम, समर्पण और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिंद्यारानी देवी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत का सम्मान बढ़ाया है। पीएममोदी ने सामाजिक माध्यम एक्स पर जारी अपने संदेश में लिखा कि भारोत्तोलन में भारत ने एक और पदक अपने नाम किया है। उन्होंने महिलाओं की 58 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर बिंद्यारानी देवी सोरोखाइबम की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सफलता कठोर मेहनत का प्रतिफल है।

कील वाली लाठियां और पेलेट गन का इस्तेमाल', जंतर-मंतर प्रदर्शन पर एससी सख्त

सीजेआई बोले- तय हो जिम्मेदारी

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

देश के विभिन्न हिस्सों और दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कथित ज्यादती और बर्बरता के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया है कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन होते रहते हैं, लेकिन अगर पुलिसिया कार्रवाई में किसी तरह की ज्यादती हुई है, तो उसकी पूरी तरह से स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। कोर्ट ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि अगर इस गंभीर मामले में दोषियों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई, तो किसी भी जांच का कोई औचित्य नहीं रह जाएगा और कानून को अपना काम हर हाल में करना होगा।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने याचिकाओं में लगाए गए बेहद गंभीर और खौफनाक आरोपों का सिलसिलेवार जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मोटे तौर पर देखने पर पुलिस की कार्रवाई पर कई गंभीर सवाल खड़े होते हैं। कोर्ट ने विशेष रूप से पेलेट गन के इस्तेमाल पर गहरी चिंता जताई, जिसके कारण एक 19 साल के युवा की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए चली गई। इसके

अलावा, प्रदर्शनकारियों पर इलेक्ट्रिक बैटन और जानलेवा कील वाली लाठियों का इस्तेमाल करने, एक युवती को गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती कराने और बिना किसी उकसावे के एक अन्य युवती को पुलिसकर्मी द्वारा थप्पड़ मारने जैसे मामलों को कोर्ट ने गंभीरता से लिया। इतना ही नहीं, पीठ ने एक मीडियाकर्मी पर हुए बेरहम हमले और सादे कपड़ों में आए पुलिसकर्मियों द्वारा हिंसा फैलाने के आरोपों को भी जांच के दायरे के लिए बेहद अहम माना है।

बिहार में 150 से ज्यादा नाबालिग अब भी कस्टडी में, वकीलों ने खोली पोल : मामले की पैरवी कर रहे याचिकाकर्ता के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कोर्ट को बताया कि यह केवल दिल्ली के जंतर-मंतर तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि मध्य प्रदेश, नागपुर और बिहार सहित पूरे देश में हुए प्रदर्शनों से जुड़ा है। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शनों के दौरान सादे कपड़ों में घुसकर हिंसा करने वाले पुलिसकर्मियों की पहचान कर ली गई है। वहीं, वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत ने बिहार का मुद्दा उठाते हुए कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार ने भले ही एफआईआर वापस लेने का ऐलान कर दिया हो, लेकिन अभी भी 150 से अधिक नाबालिग पुलिस कस्टडी में हैं, जिन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। उन्होंने खुलासा किया कि हिरासत में लिए गए लोगों में एक 13 साल का मासूम भी शामिल है, और कई लोगों को 48 घंटे से अधिक समय तक गैर-कानूनी हिरासत में रखने के बाद 40 घंटे की देरी से मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जो नियमों का खुला उल्लंघन है।

बॉटम न्यूज...

बिहार-असम के बाद अब इस राज्य में भी कार्रवाई पर रोक

देर रात को सरकार और सीजेपी के बीच बनी सहमति

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

नीट-यूजी गड़बड़ियों और छात्र आंदोलन को लेकर सख्त तेवर अपना रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अल्टीमेटम के बाद केंद्र सरकार पूरी तरह हरकत में आ गई है। देर रात सरकार के प्रतिनिधियों और सीजेपी नेताओं के बीच हुई एक बेहद अहम और लंबी बैठक में प्रदर्शनकारियों को बड़ी राहत देने पर ऐतिहासिक सहमति बनी है। पार्टी ने दावा किया है कि इस उच्चस्तरीय बैठक के बाद सरकार ने साफ भरोसा दिया है कि किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सरकार ने बिहार और असम के साथ-साथ अब अन्य सभी भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में भी दर्ज मामलों को तुरंत वापस लेने और हिरासत में लिए गए युवाओं को रिहा करने के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी करने की पक्की गारंटी दी है।

अल्टीमेटम के बाद आधी रात को 3 घंटे चली मैराथन बैठक: गौरतलब है कि दिन में सीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए फिर से देशव्यापी आंदोलन छेड़ने की सीधी चेतावनी दी थी। इस चेतावनी के कुछ ही घंटों बाद सरकार के प्रतिनिधि रात में ही सीजेपी नेताओं से मिलने पहुंचे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने बताया कि यह महत्वपूर्ण बैठक करीब दो से तीन घंटे तक चली, जिसमें छात्रों और युवाओं की कानूनी सुरक्षा पर गहन मंथन हुआ। दास ने बताया कि सरकारी प्रतिनिधियों ने बैठक के दौरान ही बिहार और असम गृह विभाग की आधिकारिक अधिसूचनाओं की प्रतियां साझा कीं, जिनमें साफ लिखा है कि प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जा रही हैं, भविष्य में उन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी और गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को तुरंत रिहा किया जाएगा।

लिखित गारंटी पर बनी बात : बिहार और असम के बाद अब राजस्थान को लेकर भी आंदोलनकारियों को एक बड़ा और राहत भरा आश्वासन मिला है। प्रवक्ता सौरव दास ने खुलासा किया कि बैठक में सरकार की ओर से स्पष्ट भरोसा दिया गया है कि राजस्थान में भी किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई भी प्राधिकरण कार्रवाई नहीं करेगा और वहां न तो कोई एफआईआर दर्ज हुई है और न ही आगे की जाएगी। सीजेपी नेताओं ने सरकार के सामने यह गंभीर चिंता जताई थी कि मौखिक आश्वासनों को बाद में जमीन पर लागू नहीं किया जाता, इसलिए उन्हें ठोस लिखित गारंटी चाहिए। इसके जवाब में सरकारी प्रतिनिधियों ने बिहार गृह विभाग की प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार और अन्य सभी भाजपा व एनडीए शासित राज्यों की ओर से भी तय भाषा में जल्द ही आधिकारिक अधिसूचनाएं जारी कर दी जाएंगी, ताकि किसी भी युवा को कानूनी झमेलों का सामना न करना पड़े।

हिमाचल प्रदेश के चंबा ज़िले के ओवडी इलाके में रात भर हुई भारी बारिश के कारण हुए ज़बरदस्त भूस्खलन से एक खुदाई करने वाली मशीन (एक्सकेवेटर) क्षतिग्रस्त हो गई है।

व्यापार...

टाटा की छप्परफाड़ कमाई! सिर्फ 1 शेयर पर 1.10 लाख रुपए के डिविडेंड का ऐलान, मुनाफे ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

एजेंसी न्यूज. मुंबई

अगर आपसे कहा जाए कि किसी कंपनी का सिर्फ एक शेयर रखने पर आपको एक लाख रुपये से ज्यादा की कमाई हो सकती है, तो शायद आपको यकीन न हो। लेकिन देश के सबसे भरोसेमंद और दिग्गज औद्योगिक घराने टाटा समूह ने इसे सच कर दिखाया है। टाटा संस ने अपने शेयरधारकों पर धनवर्षा करते हुए प्रति शेयर 1 लाख 10 हजार रुपये से अधिक के ऐतिहासिक डिविडेंड (लाभांश) की सिफारिश की है। वित्त वर्ष 2025-26 के शानदार वित्तीय नतीजों का ऐलान करते हुए कंपनी ने बताया कि उसके नेट प्रॉफिट में भारी उछाल आया है, जिसने बाजार के सारे अनुमानों को पीछे छोड़ दिया है।

टाटा संस के मुनाफे में 21 फीसदी से ज्यादा की जबरदस्त छलांग

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन द्वारा जारी किए गए वित्त वर्ष 2026 के नतीजों के मुताबिक, कंपनी का राजस्व 9.1 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी के साथ 42,367 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 38,835 करोड़ रुपये रहा था। टैक्स भुगतान के बाद कंपनी के शुद्ध मुनाफे (नेट प्रॉफिट) में 21.8 प्रतिशत का जोरदार उछाल दर्ज किया गया है, और यह बढ़कर 31,961 करोड़ रुपये हो गया है। इसी बंपर कमाई को देखते हुए कंपनी के निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 1,10,717 रुपये के बंपर डिविडेंड की सिफारिश की है। हालांकि, टाटा संस शेयर बाजार में लिस्टेड नहीं है और यह लाभांश शेयरधारकों की अंतिम मंजूरी पर निर्भर करेगा।

टाटा ग्रुप की कुल कमाई 16 लाख करोड़ के पार, 5 गुना बढ़ा लाभ

कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए चेयरमैन चंद्रशेखरन ने बताया कि वैश्विक स्तर पर जारी तनाव और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में हो रहे अभूतपूर्व निवेश के बावजूद टाटा समूह का कुल प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा है। पूरे टाटा ग्रुप का कुल राजस्व 7.8 प्रतिशत बढ़कर 16,24,030 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक आंकड़े पर पहुंच गया है, जबकि समूह का नेट प्रॉफिट 51.9 प्रतिशत की गजब की छलांग के साथ 1,70,525 करोड़ रुपये हो गया है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में अब टाटा समूह का कुल राजस्व 2.1 गुना और लाभ 5.4 गुना तक बढ़ चुका है, जो समूह की विभिन्न कंपनियों में किए गए बड़े सुधारों का ही नतीजा है।

भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला, आईटी शेयरों में खरीदारी

एजेंसी न्यूज. मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में सपाट खुला। सुबह 9-28 पर सेंसेक्स 32 अंक की मामूली तेजी के साथ 76,861 और निफ्टी 6 अंक की बढ़त के साथ 24,002 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयर कर रहे थे। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके बाद निफ्टी रियल्टी, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी फार्मा हरे निशान में थे।

दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसई, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑटो लाल निशान में थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी सीमित दायरे में कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2 अंक की मामूली तेजी के साथ 62,307 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 60 अंक की कमजोरी के साथ 19,062 पर था। सेंसेक्स पैक में टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, एचयूएल, एशियन पेंट्स, इटरनल, सन फार्मा, इंडिगो, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी और बजाज फिनसर्व गेनर्स थे। बीईएल, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एसबीआई, टाटा स्टील, टाइटन, भारती एयरटेल, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक और एमएंडएम लूजर्स थे। वैश्विक बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग और सोल लाल निशान में थे।

अमेरिकी शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था, जिसमें डाओ जोन्स 0.51 प्रतिशत की तेजी देखी गई थी। जानकारों ने कहा कि बाजार में जारी हल्की तेजी को बनाए रखने की क्षमता रखने वाले कई सकारात्मक कारक मौजूद हैं।

1 अगस्त से आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर, एलपीजी सिलेंडर और तत्काल रेल टिकट समेत बदल जाएंगे ये 5 बड़े नियम

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

जुलाई का महीना अपने अंतिम चरण में है और 1 अगस्त 2026 से आम जनता के दैनिक जीवन और रसोई के बजट से जुड़े कई बड़े नियमों में महत्वपूर्ण फेरबदल होने जा रहा है। नए महीने की शुरुआत होते ही जहां एलपीजी सिलेंडर की नई दरें लागू होंगी, वहीं रेलवे तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली और बैंकिंग सेवाओं के शुल्कों में भी बदलाव होने जा रहे हैं। इसके अलावा, जेट ईंधन की दरें और जीएसटी के नए नियम भी सीधे तौर पर आम नागरिकों, यात्रियों और कारोबारियों की जेब को प्रभावित करेंगे।

रसोई गैस और हवाई सफर के खर्चों में संशोधन की उम्मीद

ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडरों और हवाई ईंधन यानी एटीएफ की नई दरों का ऐलान करती हैं। बीते जुलाई महीने में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 183.50 रुपये की राहत दी गई थी, जिसके बाद दिल्ली में इसका दाम घटकर 2,930 रुपये रह गया था, जबकि 14 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम स्थिर रखे गए थे। 1 अगस्त को होने वाला संभावित बदलाव तय करेगा कि आम परिवारों का बजट बिगड़ेगा या राहत मिलेगी।

रेलवे तत्काल टिकट बुकिंग प्रक्रिया में बड़ा सुधार

अगस्त की शुरुआत से ही भारतीय रेलवे अपने तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में अहम बदलाव करने जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत रेलवे स्टेशनों के रिजर्वेशन काउंटरों पर टोकन जारी करने का समय अब तत्काल टिकट बुकिंग शुरू होने के समय के साथ ही मैच किया जाएगा। अब तक यात्रियों को पहले टोकन लेने और फिर टिकट बुक कराने के लिए दो अलग-अलग समय पर लाइनों में खड़ा होना पड़ता था। इस व्यवस्था से काउंटरों पर होने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी और यात्रियों के लिए तत्काल टिकट हासिल करना पहले से अधिक सुलभ हो जाएगा।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक में बदलेंगे सर्विसेज के चार्जेस

बैंकिंग सेवाओं के मोर्चे पर 1 अगस्त से उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक अपने ग्राहकों पर लागू होने वाले कई सर्विस शुल्कों में संशोधन करने जा रहा है। बैंक की नई नीति के तहत एसएमएस अलर्ट के लिए एक मासिक सीमा तय की जाएगी और उसके बाद प्रति एसएमएस 30 पैसे का शुल्क वसूला जाएगा।

जेब में जल्द आएंगे प्लास्टिक के नोट, 10 और 20 रुपए के पॉलीमर नोटों पर सरकार की हरी झंडी

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

देश में जल्द ही लेन-देन का अंदाज बदलने वाला है और लोगों के हाथों में कागज की बजाय प्लास्टिक (पॉलीमर) के चमचमाते नोट देखने को मिल सकते हैं। केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के उस अहम प्रस्ताव को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है, जिसके तहत सबसे पहले 10 और 20 रुपये के पॉलीमर नोटों का फील्ड ट्रायल किया जाएगा। अगर यह परीक्षण हर पैमाने पर सफल रहता है, तो इन नोटों को देश भर में नियमित रूप से आम जनता के लिए चलन में जारी कर दिया जाएगा।

संसद में सरकार ने दी प्रस्ताव की जानकारी

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में एक लिखित जवाब के जरिए इस बड़ी योजना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की सिफारिश पर भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 25 के तहत सरकार को यह प्रस्ताव भेजा गया था। इस योजना के शुरुआती चरण में 10 रुपये और 20 रुपये के 100-100 करोड़ पॉलीमर नोट फील्ड ट्रायल के लिए बाजार में उतारे जाएंगे। सरकार की ओर से हरी झंडी मिलने के बाद अब रिजर्व बैंक जल्द ही इस परीक्षण को जमीन पर उतारने की तैयारी में जुट गया है।

थलपति विजय के बेटे जेसन की फिल्म सिग्मा की रिलीज डेट आगे बढ़ा, अब 18 सितंबर को देगी दस्तक?

थलपति विजय के बेटे जेसन विजय सिग्मा से अपना डेब्यू कर रहे हैं। लोगों में इसे लेकर काफी उत्साह है क्योंकि यह उनका पहला प्रोजेक्ट है और वे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे हैं।

जेसन के निर्देशन में बनी सिग्मा को 31 जुलाई को रिलीज़ होना था, लेकिन इसे टाल दिया गया क्योंकि उनके पिता विजय की आखिरी फिल्म जना नायकन 24 जुलाई को रिलीज़ हुई थी, ताकि दोनों फिल्मों के बीच कोई मुकाबला न हो।

अब सिग्मा की नई रिलीज़ डेट को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। चर्चा है कि मेकर्स इस फिल्म को 18 सितंबर 2026 को रिलीज़ करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म में फियारा अब्दुल्ला फीमेल लीड रोल में हैं, जबकि राजू सुंदरम, संपथ राज, शिव पंडित, अनबु थसन, योग जापी, मगलक्ष्मी, शीला राजकुमार, कमलेश और किरण कोंडा अहम भूमिकाओं में हैं।

सनी देओल ने दुनिया की सभी माताओं को समर्पित की बटवारा 1947, ट्रेलर रिलीज का किया ऐलान

सनी देओल और प्रीति जिंटा स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म बटवारा 1947 की रिलीज डेट नजदीक आ रही है. बटवारा 1947 इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है, जिसका इंतजार सनी के फैंस को बेसब्री से है. सनी एक बार फिर बटवारे वाली कहानी के साथ पर्दे पर लौट रहे हैं. उनकी क्लासिक फिल्म गदर की भी यही कहानी थी, जो भारत की असली ब्लॉकबस्टर फिल्म बन चुकी है. अब बटवारा 1497 दर्शकों पर कितना असर छोड़ती है यह तो अगले महीने अगस्त में ही पता चलेगा. इससे पहले फिल्म बटवारा 1947 के ट्रेलर का इंतजार कर रहे दर्शकों को बता दें कि इसकी डेट का खुलासा हो चुका है. सनी ने अपने एक लेटेस्ट पोस्ट में इसकी जानकारी दे दी है.

कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत जीतने वाले राजा मुथुपंडी को सरकार का तोहफा, सीएम विजय ने 30 लाख के नकद इनाम का किया ऐलान

एजेंसी न्यूज. चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में पुरुषों के 65 किग्रा में रजत पदक जीतने वाले वेटलिफ्टर राजा मुथुपंडी के लिए 30 लाख रुपये के नगद इनाम की घोषणा की है। एथलीट को उनकी कामयाबी पर बधाई देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इनाम उनके शानदार प्रदर्शन के लिए है। सीएम ने भरोसा जताया कि उनकी कामयाबी राज्य के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। विजय ने कहा, मैं ग्लासगो में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में रजत पदक जीतने के लिए राजा मुथुपंडी को दिल से बधाई देता हूं। उनकी सफलता तमिलनाडु के लिए बहुत गर्व की बात है। उनकी यह उपलब्धि हमारे युवाओं को प्रेरणा दे। मैं उन्हें और भी कई जीत की शुभकामनाएं देता हूं जो तमिलनाडु और देश दोनों के लिए सम्मान लाएंगी। उन्होंने मुथुपंडी के परफॉर्मेंस को एक रिकॉर्ड बनाने वाली कामयाबी बताया और कहा कि उन्हें राज्य के सबसे बड़े स्पोर्ट्स इंसेंटिव में से एक से सम्मानित किया जाएगा। राजा को उनकी सफलता पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बधाई दी है। राजा ने कुल 286 किग्रा (126 किग्रा+160 किग्रा) के साथ खत्म किया।

ऋषभ शेट्टी की द प्राइड ऑफ भारत से जुड़ीं भूमि पेडनेकर, वीर योद्धा रानी बेलावड़ी मल्लम्मा की किरदार से मचाएंगी तहलका

ऋषभ शेट्टी अपनी आगामी फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर चर्चा में हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित इस ऐतिहासिक ड्रामा में बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल और विवेक ओबेरॉय पहले से अहम किरदारों में शामिल थे। ताजा अपडेट है कि एक और बालीवुड अभिनेत्री इस परियोजना का हिस्सा बन गई हैं, जो भूमि पेडनेकर हैं। ये पहला मौका होगा, जब फैंस उन्हें दक्षिण सिनेमा की फिल्म में डेब्यू करते हुए देखेंगे।

मशहूर फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने एक्स पर आधिकारि पोस्ट साझा करते हुए भूमि के परियोजना में शामिल होने की जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि अभिनेत्री फिल्म में कर्नाटक की वीर योद्धा रानी बेलावड़ी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी, जिन्हें उनकी बहादुरी और अटूट साहस के लिए जाना जाता है।

वहीं शेफाली शाह छत्रपति की मां राजमाता जीजाबाई का किरदार निभाएंगी।

इस फिल्म का निर्देशन संदीप सिंह कर रहे हैं और संगीत अमित त्रिवेदी द्वारा तैयार किया जा रहा है।

ऋषि विरमानी द्वारा लिखित, द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज का निर्माण 2 भागों में किया जाएगा। पहले भाग को 2028 में और दूसरे भाग को 2029 में रिलीज किया जा सकता है।

इसकी शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू होने वाली है, जिसका ज्यादातर हिस्सा महाराष्ट्र में फिल्माया जाएगा। वहीं व्यापक पूर्व-निर्माण कार्य पहले से ही चल रहा है।

खबरों के अनुसार, फिल्म का बजट 500 करोड़ रुपये से ज्यादा बताया जा रहा है।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान, टीम में लौटे बुमराह और पंत; शुभमन गिल संभालेंगे कमान

श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की हाई-वोल्टेज टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है।

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

इस महत्वपूर्ण दौरे के लिए टीम की कमान युवा स्टार शुभमन गिल को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। टेस्ट सीरीज के आगाज से पहले भारतीय टीम अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के लिए 7 अगस्त से कोलंबो के मैदान पर चार दिनों का एक अहम प्रैक्टिस मैच खेलेगी। हाल ही में जिम्बाब्वे को टी20 सीरीज में रौंदकर वापस आईसीसी रैंकिंग में नंबर-1 का ताज हासिल करने वाली टीम इंडिया के हौसले बुलंद हैं और वह श्रीलंका के घर में भी अपनी बादशाहत कायम रखने के इरादे से उतरेगी।

बुमराह और सुदर्शन की वापसी, लेकिन फिटनेस बनी रोड़ा

श्रीलंका दौरे के लिए घोषित की गई इस 15 सदस्यीय भारतीय स्क्वाड में घातक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन को शामिल तो किया गया है, लेकिन इनके खेलने पर अभी भी तलवार लटकी हुई है। बीसीसीआई द्वारा जारी आधिकारिक अपडेट के अनुसार, दोनों खिलाड़ियों का अंतिम रूप से सीरीज में खेलना बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से मिलने वाली मेडिकल और फिटनेस क्लीयरेंस पर ही निर्भर करेगा। विकेटकीपिंग के मोर्चे पर ऋषभ पंत के साथ युवा ध्रुव जुरेल को भी मौका दिया गया है, जो मिडल ऑर्डर में टीम को मजबूती देंगे।

बरार, सुथार और सारांश जैसे नए चेहरों पर दांव

चयनकर्ताओं ने श्रीलंका की स्पिन मददगार पिचों और भविष्य के विदेशी दौरों को ध्यान में रखते हुए टीम में कई सरप्राइज पैकेज शामिल किए हैं। तेज गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ लंबे कद के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को मौका दिया गया है। वहीं, स्पिन विभाग में अनुभवी रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव के साथ मानव सुथार और सारांश जैन जैसे युवा और प्रतिभाशाली स्पिनरों पर बड़ा दांव खेला गया है। बल्लेबाजी को और गहराई देने के लिए बाएं हाथ के स्टाइलिश बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को भी इस मजबूत टेस्ट स्क्वाड का हिस्सा बनाया गया है।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय स्क्वाड-

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन*, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह*, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल और सारांश जैन। (*फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर)।

ज्ञानेश्वरी यादव बहुत कम उम्र में शुरू की वेटलिफ्टिंग, सीडब्ल्यूजी 2026 में देश के लिए जीता सिल्वर

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में भारतीय दल का शानदार प्रदर्शन जारी है। सोमवार को महिलाओं की 53 किग्रा भार वर्ग के मुकाबले में ज्ञानेश्वरी यादव ने रजत पदक जीता। यह भारत का इस इवेंट का पांचवां पदक था।

ज्ञानेश्वरी ने कुल 199 किग्रा वजन (88 स्नैच और 111 क्लीन एंड जर्क) उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं, नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला डिडिह ने स्वर्ण जबकि कनाडा की रेबेका ग्रौलक्स ने कांस्य पदक जीता।

ज्ञानेश्वरी ने प्रतियोगिता में शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। वह स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार थीं, लेकिन अंततः महज सात किलो के अंतर से शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गईं। स्नैच स्पर्धा में उन्होंने 82, 85 और 88 किलोग्राम वजन उठाया तथा तीनों प्रयास सफल रहे।

हर प्रयास के साथ उन्होंने अपना वजन बढ़ाया और स्नैच के बाद दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि नाइजीरिया की दिदिह बढ़त बनाए हुए थीं। क्लीन एंड जर्क में भी ज्ञानेश्वरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 103, 107 और 111 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। हालांकि, दिदिह ने 105, 110 और 113 किलोग्राम वजन उठाकर अपनी बढ़त कायम रखी। दोनों चरणों में लगातार बेहतर प्रदर्शन के बावजूद ज्ञानेश्वरी स्वर्ण से चूक गईं और रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि दिदिह ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

ज्ञानेश्वरी यादव का कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में रजत जीतने का सफर बेहद रोमांचक है। छत्तीसगढ़ से संबंध रखने वाली इस वेटलिफ्टर ने बहुत ही कम उम्र में वेटलिफ्टिंग शुरू की और नेशनल सेटअप में जगह बनाने से पहले राज्य में इस खेल में शीर्ष स्थान हासिल किया। जूनियर और सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन ने उन्हें भारत की शीर्ष महिला लिफ्टरों में से एक बना दिया। वह राष्ट्रीय कोचिंग प्रोग्राम के तहत नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला में ट्रेनिंग लेती हैं और कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप और वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप सहित बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन और

सीडब्ल्यूजी 2026 : पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर की जंप, श्रीशंकर मुरली ने हासिल किया फाइनल का टिकट

एजेंसी न्यूज. ग्लासगो

भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने पुरुषों की लॉन्ग जंप के क्वालिफिकेशन राउंड में 8.01 मीटर की छलांग लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीशंकर ने ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को आसानी से पार कर लिया।

क्वालीफाइंग 'ग्रुप-ए' में 27 वर्षीय एथलीट को फाइनल में सीधा प्रवेश पाने के लिए कम से कम 8.00 मीटर की छलांग लगाने की जरूरत थी। श्रीशंकर ने यह लक्ष्य केवल एक प्रयास में हासिल कर लिया, जिसके बाद उन्होंने अपना क्वालिफिकेशन राउंड समाप्त कर दिया और बुधवार को होने वाले मेडल इवेंट के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखी। केरल के इस एथलीट ने अपने पहले प्रयास से ही 'ग्रुप-ए' में शीर्ष स्थान हासिल किया। वे जमैका के जॉर्डन टर्नर से आगे रहे, जिनकी सर्वश्रेष्ठ छलांग 7.80 मीटर थी। अगर श्रीशंकर क्वालिफिकेशन मानक तक नहीं पहुंच पाते, तो उन्हें आगे बढ़ने के लिए दोनों क्वालिफिकेशन ग्रुप के 12 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में शामिल होना पड़ता। इसके बजाय, भारतीय एथलीट ने शुरुआत से ही अपने इरादे स्पष्ट कर दिए और अपनी पहली छलांग से ही जरूरी मार्क को आसानी से पार करके किसी भी तरह की अनिश्चितता को दूर कर दिया। चोट से उबरकर इस सीजन में शानदार फॉर्म में वापसी करने वाले श्रीशंकर, भारत के लिए एथलेटिक्स में मेडल जीतने की सबसे मजबूत उम्मीदों में से एक के तौर पर ग्लासगो पहुंचे हैं। उनके नाम इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (8.38 मीटर) दर्ज है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में श्रीशंकर ने क्वालिफिकेशन राउंड में दबदबा बनाया था और सभी प्रतिस्पर्धियों में सर्वश्रेष्ठ छलांग (8.05 मीटर) लगाई थी, लेकिन फाइनल में मामूली अंतर से गोल्ड मेडल से चूक गए थे। उन्होंने 8.08 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई थी, जो बहामास के लाक्वान नायरन के बराबर थी। नायरन ने अपनी दूसरी सर्वश्रेष्ठ छलांग बेहतर होने के कारण 'काउंटबैक नियम' के तहत गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

नीलाद्री बिजे के बाद निजधाम लौटे महाप्रभु

तीनों देवताओं के श्रीमंदिर प्रवेश के साथ संपन्न हुई रथयात्रा, दर्शन के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

परंपरानुसार श्रीमंदिर लौटने पर रूष्ट देवी लक्ष्मी को मनाने उन्हें रसगुगा अर्पित करने की रस्म पुरी की गई. देर रात तक भक्त पाते रहे भोग प्रसाद, भंडारा.

इम्पेक्ट न्यूज. दंतेवाड़ा

बीते 24 जुलाई को बहुड़ा यात्रा के दिन भगवान अपने मौसी घर से वापस लौटे थे। भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा तीनों रथारूढ़ हुए थे जिसके बाद भक्त रथ खींचते हुए उन्हें वापस श्रीमंदिर परिसर के बाहर लेकर आए थे। भगवान यहीं रथ पर ही 2 दिनों तक विश्राम करते हैं जिसके उपरांत तीसरे दिन नीलाद्री बिजे अनुष्ठान होने के बाद श्री जगन्नाथ भगवान अपने श्रीमंदिर में प्रवेश करते हैं। इन तीन दिनों के बीच कई अनेक अनुष्ठान एवं रस्में भी परंपरानुसार पुरी की जाती है।

अषाढ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 27 जुलाई दिन सोमवार को नीलाद्री बिजे अनुष्ठान के बाद संध्या पहर में भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं देवी सुभद्रा को मंदिर के मुख्य पुजारी एवं सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति में श्रीमंदिर के गर्भगृह में हर्षोंगास के साथ लाया गया। इस दौरान नाराज देवी लक्ष्मी को मनाने के लिए परंपरानुसार उन्हें रसगुगा खिलाया गया तब जाकर देवी की नाराजगी दूर हुई और उन्होने जगन्नाथ जी को मंदिर के अंदर जाने की अनुमति प्रदान की।

इससे पूर्व 25 जुलाई को भगवान का सोना भेष रस्म निभाई गई। इस रस्म में भगवानों को सोने की पोशाक पहनाई जाती है उनका स्वर्ण श्रृंगार किया जाता है। यह पवित्र रस्म रथ यात्रा के अषाढ शुक्ल एकादशी अर्थात बाहुडा यात्रा के अगले दिन मनाई जाती है। 26 जुलाई रविवार को अषाढ शुक्ल के द्वादशी तिथि के दिन अधर पना रस्म अदायगी की गई।

इस रस्म में भगवान का प्रसाद जानबुझकर जमीन पर गिरा दिया जाता है। अधर का अर्थ है होंठ और पना का मतलब मीठा शरबत से है, जिसे दुध, गुड, पनीर, केले और मसालों से तैयार किया जाता है। यह जगन्नाथ भगवान का एक ऐसा प्रसाद है जिसे भक्त या पुजारी ग्रहण नहीं करते। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह विशेष भोग रथ यात्रा में शामिल होने वाली उन अदृश्य और अतृप्त आत्माओं के लिए होता है जो मोक्ष की तलाश में आती है । माना जाता है कि जमीन पर फैली इस दिव्य प्रसाद को ग्रहण करने से इन आत्माओं को मुक्ति मिलती है।

तमाम परंपराओं और रस्मों को पुरी करने के बाद अंततः भगवान जगन्नाथ, भाई बदभद्र एवं बहन सुभद्रा त्रयोदशी तिथि को अपने निजधाम श्रीमंदिर लौट आए हैं। भगवानों के श्रीमंदिर में वापस लौटने के साथ ही इस वर्ष की जगन्नाथ रथयात्रा का भी सुखद समापन हो चुका है। इस दौरान भगवानों को देखने उनके दर्शन पूजन करने बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ जगन्नाथ मंदिर में उमड़ पड़ी थी।

खासकर महिला भक्तों की संख्या ज्यादा देखी गई। इस अवसर पर मंदिर समिति की ओर से भक्तों के लिए भोग, भंडारा प्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी। मंदिर पहुंचे भक्त देर रात तक भक्त प्रसाद भंडारा का लुत्फ उठाते रहे।

रथयात्रा का हुआ सुखद समापन

पुरी में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की रथयात्रा का समापन नीलाद्री बिजे अनुष्ठान के साथ हुआ। बीते 24 जुलाई को बहुड़ा यात्रा के दौरान मौसी घर से लौटे तीनों देवता रथ पर विराजमान हुए और भक्तों ने उन्हें श्रीमंदिर परिसर के बाहर तक पहुंचाया, जहां उन्होंने दो दिनों तक रथ पर विश्राम किया। 25 जुलाई को भगवान का स्वर्ण भेष और 26 जुलाई को अधर पना रस्म संपन्न हुई। अधर पना में दूध, गुड़, पनीर, केला एवं मसालों से तैयार विशेष शरबत का भोग लगाया गया, जिसे परंपरानुसार जमीन पर अर्पित किया जाता है। 27 जुलाई सोमवार को नीलाद्री बिजे अनुष्ठान के बाद संध्या पहर में मुख्य पुजारी एवं सैकड़ों भक्तों की मौजूदगी में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को हर्षोल्लास के साथ श्रीमंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कराया गया। मान्यता के अनुसार, देवी लक्ष्मी की नाराजगी दूर करने के लिए भगवान को रसगुल्ला भोग अर्पित किया गया, जिसके बाद उन्हें मंदिर में प्रवेश की अनुमति मिली। भगवानों के निजधाम लौटने के साथ ही इस वर्ष की रथयात्रा का विधिवत एवं सुखद समापन हुआ। दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। मंदिर समिति की ओर से भक्तों के लिए भोग एवं भंडारा प्रसाद की व्यवस्था की गई, जिसका श्रद्धालुओं ने देर रात तक लाभ लिया।

थर्मल ड्रोन से लैस हुआ बस्तर वन मंडल अब रात में भी होगी जंगलों की हाई-टेक निगरानी

वन्यजीवों की सुरक्षा, अवैध कटाई और शिकार पर लगेगी लगाम, जल्द बस्तर को मिलेगा अपना थर्मल ड्रोन

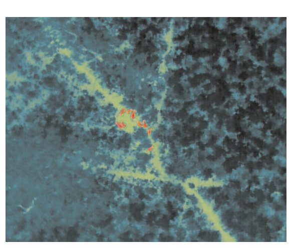

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

बस्तर के घने जंगलों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए बस्तर वन मंडल अब आधुनिक तकनीक का सहारा ले रहा है। वन विभाग द्वारा कांकेर वन मंडल के सहयोग से थर्मल इमेजिंग ड्रोन कैमरे के माध्यम से जंगलों और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष रूप से रात्रिकालीन निगरानी की जा रही है। इस तकनीक से वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ-साथ अवैध कटाई, लकड़ी तस्करी और शिकार जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिल रही है।

थर्मल इमेजिंग तकनीक शरीर की ऊष्मा (हीट सिग्नेचर) को पहचानने में सक्षम है। इसके माध्यम से घने जंगलों और रात के अंधेरे में भी वन्यजीवों एवं मानव गतिविधियों का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इससे वन विभाग को भालू, तेंदुआ, हाथी सहित अन्य वन्यजीवों की गतिविधियों की सटीक जानकारी मिल रही है। वन विभाग इस तकनीक का उपयोग मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में भी कर रहा है। वन क्षेत्र से लगे ग्रामीण इलाकों में यदि हाथियों अथवा अन्य जंगली जानवरों की गतिविधि की सूचना मिलती है, तो थर्मल ड्रोन के जरिए तत्काल निगरानी कर उनकी लोकेशन का पता लगाया जाता है।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने दिए अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

बस्तर मुन्ने, एस.आई.बी. पोर्टल, सी.एम. हेल्पलाइन एवं हाई कोर्ट के प्रकरणों की साप्ताहिक प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना अंतर्गत अधिकारियों को निर्देशित किया कलेक्टर ने

इम्पेक्ट न्यूज. दंतेवाड़ा

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव की अध्यक्षता में आज संयुक्त जिला कार्यालय के डंकनी सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बस्तर मुन्ने अभियान के तहत विभिन्न इंडिकेटर के तहत पोर्टल एंट्री में संतोषजनक प्रगति लाए। इसके अलावा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल में दर्ज आवेदनों के संदर्भ में अधिकारियों को सचेत किया कि जो आवेदन समय सीमा

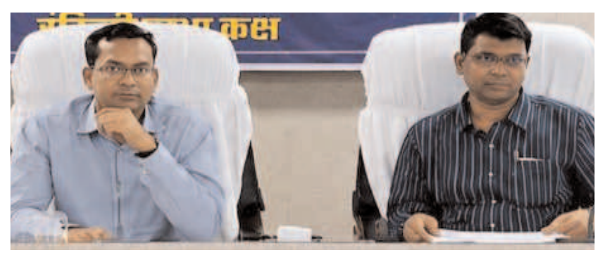

से बाहर होने वाले है उनका तत्काल निराकरण करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही कलेक्टर ने बाढ़ आपदा राहत के तैयारियों के संबंध में मोटर बोर्ड एवं जनरेटर की उपलब्धता तथा मानव संसाधन को सभी आवश्यक तैयारियों के साथ सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

इस क्रम में बैठक में माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा, निर्देश, मानव अधिकार आयोग के लंबित प्रकरण, सुशासन तिहार 2026, व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र एवं फौती नामांतरण, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति एवं देयक के भुगतान की स्थिति, एग्रीस्टेक पंजीयन, आई गोट/एचआरएमएस क्रियान्वयन, तेलंगाना राज्य में पुर्नवासित परिवार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में धारित सम्पत्ति एवं अन्य के संबंध में वृहद समीक्षा की गई।

सखी निवास एवं शक्ति सदन में संविदा भर्ती हेतु पात्रता सूची जारी

जगदलपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति अन्तर्गत सखी निवास एवं शक्ति सदन में रिक्त पदों पर संविदा भर्ती हेतु जिले की वेबसाइट में पात्र-अपात्र की प्रारंभिक सूची 15 अप्रैल 2026 को तैयार कर 29 अप्रैल 2026 तक दावा-आपत्ति आमंत्रित किया गया था। प्राप्त दावा-आपत्ति आवेदनों का निराकरण उपरांत संशोधन कर पुनः संशोधित पात्र-अपात्र की सूची का अवलोकन जिले की वेबसाइट एवं कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जगदलपुर के सूचना पटल पर किया जा सकता है। संबंधित आवेदकों के द्वारा उपरोक्त सूची का अवलोकन कर दावा-आपत्ति आगामी 5 अगस्त 2026 तक कार्यालयीन समय शाम 5.30 बजे तक स्वीकार की जाएगी। इस संबंध में कार्यालय में प्रदर्शित सूची अंतिम मानी जाएगी। आवेदक अपनी दावा-आपत्ति रजिस्टर्ड डाक, स्पीड पोस्ट या कोरियर के माध्यम से कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, जगदलपुर जिला बस्तर में प्रस्तुत कर सकते हैं। किसी अन्य माध्यम ई-मेल या कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत दावा-आपत्ति मान्य नहीं होगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से साकार हुआ चंद्रकला का पक्के घर का सपना

बीजापुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने बीजापुर जिले की ग्राम पंचायत पामगल निवासी श्रीमती चंद्रकला के परिवार के जीवन में खुशियों की नई रोशनी लाई है। कभी कच्चे एवं जर्जर मकान में रहने वाला उनका परिवार आज सुरक्षित, मजबूत और सम्मानजनक पक्के घर में जीवनयापन कर रहा है। पूर्व में वर्षा ऋतु के दौरान उनके परिवार को कच्चे मकान के कारण अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। असुरक्षित आवास में रहने से परिवार हमेशा चिंता और असुविधा के बीच जीवन व्यतीत करता था।

जिले में मनाया गया विश्व हेपेटाइटिस दिवस, समस्त विकास खंड में जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दंतेवाड़ा। जिले में कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय रामटेके की मार्गदर्शन में विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत जिले के समस्त विकासखंड में उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में हेपेटाइटिस के बचाव के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित हुए। इस वर्ष की थीम ''हेपेटाइटिस'' को तोड़े बाधाओं को हटाए'' के आधार पर लोगों को जागरूक किया गया. जिसमें लोगों को हेपेटाइटिस के बारे में विस्तृत से जानकारी, समय पर जांच संक्रमण से बचाव, एवं समय पर उपचार के बारे में बताया गया। इसके साथ ही हेपेटाइटिस के विभिन्न प्रकार जैसे हेपेटाइटिस बी एवं हेपेटाइटिस सी के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों मैं जांच परीक्षण इलाज एवं निशुल्क टीकाकरण की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी गई।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान में युवाओं का उत्साह पूर्ण सहभाग, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का हुआ सम्मान

कुआकोंडा में जिला स्तरीय नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत कार्यक्रम, आठ प्रतियोगिताओं में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

इम्पेक्ट न्यूज. दंतेवाड़ा

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत माई भारत के तत्वावधान में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुआकोंडा में जिला स्तरीय नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ, जागरूक एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के दौरान माई भारत दंतेवाड़ा के जिला युवा अधिकारी श्री आदित्य पांडेय ने उपस्थित युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशा न करने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है और नशामुक्त युवा ही विकसित भारत के निर्माण की मजबूत नींव रख सकते हैं।

इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से कुल आठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें नृत्य, स्लोगन लेखन, वाद-विवाद, कविता पाठ, संगीत, नुक्कड़ नाटक, रील निर्माण एवं शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता शामिल थीं। प्रतिभागियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभाव, सामाजिक जागरूकता तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका को सशक्त ढंग से अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अभियान को जन-आंदोलन बनाने का संदेश दिया।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती समरसता संकल्प अभियान एवं हर घर तिरंगा-तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा की संयुक्त जिला कार्यशाला संपन्न

इम्पेक्ट न्यूज. दंतेवाड़ा

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, दन्तेवाड़ा में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती, समरसता संकल्प अभियान तथा हर घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर संयुक्त जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में दन्तेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता नीलकंठ टेकाम ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का जीवन सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से समरसता संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचकर सामाजिक सद्भाव का संदेश देने तथा हर घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों को पूर्ण समर्पण, अनुशासन एवं उत्साह के साथ सफल बनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने कहा कि संत रविदास जी के विचार आज भी समाज को एकता, समानता और भाईचारे की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान के प्रत्येक कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान किया।

कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी भीमा मंडावी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम, सांसद प्रतिनिधि एवं पूर्व जिलाध्यक्ष नवीन विश्वकर्मा, जिला महामंत्री सत्यजीत सिंह चौहान एवं मुन्ना मरकाम, जिला मीडिया प्रभारी राजेश कश्यप समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

मछलीपालन से मदनूबाई सालाना कमा रही हैं 2.30 लाख

बीजापुर। शासन की मत्स्य पालन योजनाएं ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसका उत्कृष्ट उदाहरण बीजापुर जिले की श्रीमती मदनूबाई तलाण्डी, पति श्री गोविंद तलाण्डी हैं, जिन्होंने मत्स्य पालन विभाग के सहयोग से मछलीपालन व्यवसाय अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। श्रीमती मदनूबाई तलाण्डी ने अपनी 1.00 हेक्टेयर निजी भूमि पर मत्स्य पालन विभाग की योजना के तहत 60 प्रतिशत अनुदान से तालाब का निर्माण कराया। तालाब निर्माण के बाद वे पिछले कई वर्षों से नियमित रूप से मछलीपालन कर रही हैं और इस व्यवसाय से प्रतिवर्ष लगभग 2.30 लाख की आय अर्जित कर रही हैं। मत्स्य पालन विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन एवं समय-समय पर दिए जा रहे सहयोग से उनके उत्पादन और आय में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

सेवा सेतु पोर्टल बना सुशासन और डिजिटल प्रशासन का सशक्त माध्यम

दंतेवाड़ा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार सुशासन, पारदर्शिता और डिजिटल प्रशासन को नई दिशा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में विकसित सेवा सेतु पोर्टल आज प्रदेश के नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं तक आसान, पारदर्शी और समयबद्ध पहुंच का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। इस अभिनव पहल के माध्यम से अब प्रदेशवासियों को 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता काफी हद तक समाप्त हो गई है।

माओवाद मुक्त बीजापुर का पहला स्वतंत्रता दिवस होगा ऐतिहासिक : 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने कलेक्टर के निर्देश

साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में योजनाओं की प्रगति की हुई विस्तृत समीक्षा

इम्पेक्ट न्यूज. बीजापुर

कलेक्टर विश्वदीप की अध्यक्षता में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक में आगामी स्वतंत्रता दिवस एवं 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर व्यापक तैयारियों के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि 15 अगस्त से पूर्व पूरे जिले में अभियान का व्यापक स्तर पर आयोजन सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रत्येक घर में सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया जा सके। इसके लिए समस्त एसडीएम, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ) तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों

(सीएमओ) को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री विश्वदीप ने कहा कि चार दशक बाद यह पहला स्वतंत्रता दिवस होगा, जब बीजापुर माओवाद मुक्त वातावरण में आजादी का पर्व मनाएगा। यह जिले के लिए ऐतिहासिक अवसर है, जिसे पूरे हर्षोल्लास, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी शासकीय कार्यालयों में तिरंगा फहराने, अभियान के तहत जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शासकीय भवनों में आकर्षक रोशनी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले के दूरस्थ एवं अंदरूनी क्षेत्रों तक भी अभियान को प्रभावी ढंग से पहुंचाते हुए तिरंगा फहराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सुशासन तिहार के लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के लिए विशेष शिविर आयोजित करने को कहा।

श्रम विभाग को निर्देशित किया गया कि गत वर्ष संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत करते हुए वर्तमान वर्ष में अधिकाधिक श्रमिकों को विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। साथ ही तेंदूपत्ता संग्राहकों एवं श्रम कार्डधारी पालकों के बच्चों को विभागीय छात्रवृत्ति योजनाओं से शत-प्रतिशत लाभान्वित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित अन्य विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

स्वामी एम्बिशस् प्रिंटर्स के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक बिनोद कुमार सिंह द्वारा आसमा प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पंजाब नेशनल बैंक के सामने जय स्तंभ चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001. से मुद्रित कर एच163, सुरभि कॉलोनी, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़, 494449 से प्रकाशित, संपादक* सुरेश महापात्रा। (समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।)